www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 चीन को सुधारना होगा अपना रवैया, पाकिस्तान पर आतंकवाद को समाप्त करने के लिए दबाव डालना होगा
चीन ने दिखाई अंतरिक्ष में हमला करने वाली मिसाइल 06

वर्ष :17 | अंक :155 | प्रयागराज , गुरूवार 04 सितम्बर , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के जमशेदपुर में बंदूक के बल पर आभूषण की दुकान में लूट

झारखंड के जमशेदपुर शहर में बुधवार दोपहर बंदूक के बल पर आभूषण की एक दुकान में लूटपाट की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोनारी थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के पास हुई। उसने बताया कि करीब छह हथियारबंद लोग ग्राहक बनकर दुकान में घुसे और उन्होंने दुकान मालिक पर पिस्तौल के बट से हमला करने के बाद छह लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण लूट लिए। पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार शिवाशीष और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मनोज ठाकुर ने घटना के बाद दुकान का मुआयना किया। ठाकुर ने बताया कि हथियारबंद लोग दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दुकान में पहुंचे। पुलिस ने बताया कि लूटे गए आभूषणों में पांच सोने की चेन भी हैं। पुलिस ने बताया कि लुटेरों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती दो नवजात को चूहे ने काटा, एक की मौत, दूसरा वेंटिलेटर पर, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को कहा कि इंदौर के एक अस्पताल में चूहों द्वारा काटे गए नवजात शिशु की मौत पर तत्काल कार्रवाई की गई है। घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि कीट नियंत्रण एजेंसी पर एक लाख का जुमार्ना लगाया गया है और सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है। शुक्ला ने कहा कि नर्सिंग अधीक्षक को हटा दिया गया है, दो नर्सिंग अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है और शिशु रोग विभाग के एचओडी को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इंदौर जिले में स्थित एमवाय अस्पताल में इलाज करा रहे दो नवजात शिशुओं को रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात चूहों ने काट लिया ।एक नवजात शिशु की मंगलवार सुबह मौत हो गई और दूसरा वेंटिलेटर पर है। मंत्री ने कहा कि दोनों बच्चे बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) में थे और जन्म से ही बेहद गंभीर हालत में थे, क्योंकि उन्हें आंत, फेफड़े और गुर्दे से संबंधित कमियाँ थीं। उन्होंने कहा कि यही एक नवजात की मौत का मुख्य कारण था। राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है, जिस पर तत्काल कार्रवाई की गई है। आमतौर पर, अगर समय पर कीट नियंत्रण किया जाता, तो चूहे नहीं होते। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि कीट नियंत्रण नहीं किया गया था। कीट नियंत्रण एजेंसी पर एक लाख का जुमार्ना लगाया गया है और बर्खास्तगी का नोटिस जारी किया गया है। नर्सिंग अधीक्षक को हटा दिया गया है

सीएए पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला भारत आये धार्मिक अल्पसंख्यकों पर नहीं होगी कोई दंडात्मक कार्रवाई

पाकिस्तान-अफगानिस्तान-बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यकों को मिलेगी बड़ी राहत

बड़ी राहत

हम आपको बता दें कि अप्रैल 2025 में पारित इस अधिनियम की धारा 21 के तहत, कोई भी विदेशी यदि बिना वैध पासपोर्ट या वीजा जैसे यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करता है, तो उसे अधिकतम पाँच वर्ष की कैद और/या पाँच लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है।

बहरहाल, भारत के लिए चुनौती यही है कि वह सुरक्षा और मानवीयता के बीच संतुलन बनाए रखे। अवैध प्रवास को नियंत्रित करना राष्ट्रीय हित है, लेकिन पड़ोसी देशों से शरण लेने वाले समुदायों की पीड़ा को नजरअंदाज करना भारत की परंपरा नहीं रही है। यह नया अधिनियम इसी द्वंद्व के बीच एक नया रास्ता निकालने का प्रयास प्रतीत होता है।

अवैध मुस्लिम प्रवासियों को निकाला जाएगा देश से बाहर

सरकार ने हाल ही में संसद और सार्वजनिक मंचों से यह दोहराया था कि देश से सभी घुसपैठियों को देश से बाहर निकाला जाएगा, लेकिन इस आदेश के बाद साफ हो गया है कि देश में अवैध रूप से रह रहे गैर-मुस्लिम प्रवासियों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा यानी की अवैध रूप से रह रहे मुस्लिम प्रवासियों को देश के बाहर करने की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी. राजनीतिक हलकों में अब इस आदेश को लेकर बहस तेज हो गई है. विपक्ष का कहना है कि सरकार धार्मिक आधार पर नागरिकता और प्रवासन नीति में भेदभाव कर रही है, जबकि सत्तापक्ष इसे 'पीड़ित समुदायों को सुरक्षा देने का कदम' बता रहा है.

इस कानून के तहत किसी को नहीं मिलेगी नागरिकता

एजेंसी

भारत सरकार ने हाल ही में लागू किए गए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के साथ एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। एक ओर यह अधिनियम अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों पर सख्ती से दंड लगाने का प्रावधान करता है यानि बिना वैध पासपोर्ट या वीजा प्रवेश करने वालों को पाँच साल तक की जेल और पाँच लाख रुपये तक का जुमार्ना भुगतना होगा। दूसरी ओर, यह अधिनियम मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाता है और कुछ श्रेणियों को दंडात्मक कार्रवाई से छूट प्रदान करता है। हम आपको बता दें कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले प्रवासी, जो छह अल्पसंख्यक समुदायों– हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी–से संबंध रखते हैं और जिन्होंने 31 दिसंबर 2024 तक भारत में वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज पर प्रवेश किया था (या जिनका वैधता-काल अब समाप्त हो चुका है), उन्हें इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई से छूट दी जाएगी। यह अधिनियम सोमवार से लागू हुआ है। इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (एक्सेम्प्शन) ऑर्डर, 2025 के अनुसार नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी, साथ ही 1959 से 30 मई 2003 के बीच विशेष प्रवेश अनुमति लेकर भारत आए तिब्बतियों को, यदि वे संबंधित विदेशी पंजीकरण अधिकारी के पास पंजीकृत हैं, इसी तरह की छूट दी गई है।

उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश का कहर

छत्तीसगढ़: बांध टूटने से मचा हाहाकार, अचानक बाढ़ से अब तक 4 लोगों की मौत, कई लापता

यमुना नदी 206.36 मीटर के महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई, जो 13 जुलाई 2023 को दर्ज किए गए अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 208.66 मीटर से केवल 2.30 मीटर कम है। जल स्तर में तेजी से वृद्धि ऊपरी बैराजों से भारी प्रवाह के कारण हुई है।

पंजाब में भीषण बाढ़

राजधानी के अलावा, स्थिति भी उतनी ही भयावह है। राज्य सरकार के अनुसार, पंजाब 1988 के बाद से अपने सबसे बुरे बाढ़ संकट से जूझ रहा है, जिसमें 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 23 जिलों में 3.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के बाद सतलुज, व्यास, रावी और कई मौसमी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे 1,400 से ज्यादा गाँव जलमग्न हो गए हैं।

उत्तर भारत में बारिश का कहर

अन्य उत्तरी राज्य भी लगातार हो रही बारिश से जूझ रहे हैं, जिसके कारण पिछले कुछ हफ़्तों में बादल फटने और बाढ़ की घटनाएँ हुई हैं। उफनती नदियों ने विशाल मैदानों को जलमग्न कर दिया है, रेल और सड़क नेटवर्क को बाधित कर दिया है और कई क्षेत्रों में स्कूलों को बंद करने पर मजबूर कर दिया है। बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए अधिकारियों ने आगे की आपदाओं से बचने के लिए एहतियात के तौर पर कई हिमालयी तीर्थस्थलों की तीर्थयात्राएँ स्थगित कर दी हैं।

एजेंसी

यमुना नदी 206.36 मीटर के महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई, जो 13 जुलाई 2023 को दर्ज किए गए अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 208.66 मीटर से केवल 2.30 मीटर कम है। जल स्तर में तेजी से वृद्धि ऊपरी बैराजों से भारी प्रवाह के कारण हुई है, जिसमें हथिनीकुंड से 1.76 लाख क्यूसेक, वजीराबाद से 93,260 क्यूसेक और ओखला से 1.15 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अधिकारियों ने पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) को बंद कर दिया है और निचले इलाकों में आपातकालीन उपाय लागू कर दिए हैं। अधिकारियों ने सार्वजनिक आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिसमें मूर्ति विसर्जन पर भी प्रतिबंध शामिल है, क्योंकि आगे बाढ़ की आशंका के बीच निकासी अभियान जारी है। दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका के बीच अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और जलस्तर 206.90 मीटर तक पहुंचने का अनुमान जताया है। मंगलवार शाम जारी बाढ़ परामर्श में कहा गया है, ह्यह्यमौजूदा संकेतों के अनुसार, तीन सितंबर, 2025 को सुबह सात बजे तक जलस्तर 206.90 मीटर पहुंचने की संभावना है और उसके बाद जलस्तर बढ़ने की संभावना है। दिल्ली में यमुना नदी मंगलवार को निकासी के निशान को पार कर गई थी, जहां जलस्तर 206.03 मीटर दर्ज किया गया था और तब से इसमें वृद्धि हो रही है।

युवा शक्ति बनाएगी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईआईटी कानपुर में कहा कि भारत अगले दो वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और युवा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में युवा शक्ति के योगदान पर बल दिया, जो देश की आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'विकसित भारत' मंत्र

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है और अगले दो वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में यह चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री आईआईटी कानपुर में 'समन्वय' के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्थिरता पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिन्हें लेकर आज आम नागरिक समाज, देश और दुनिया चिंतित है और उनका लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहता है। भारत की ऐतिहासिक आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 25% था। एक सदी बाद, भारत दूसरे नंबर पर पहुँच गया, जबकि चीन शीर्ष पर रहा; हालाँकि, पिछले 150-200 वर्षों में, एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसके कारण भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई।

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट से टूटी नक्सलियों की कमर

दिल्ली में अमित शाह ने जवानों को किया सम्मानित

तीन राज्यों में एक साथ चला ऑपरेशन

इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 गिरफ्तारियां हुईं और 84 लोगों ने आत्मसमर्पण किया. तीन दशकों में पहली बार –माओवादी के महासचिव स्तर के नेता को मार गिराया गया है, जो नक्सल विरोधी अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है. ऑपरेशन की सफलता केंद्रीय और राज्य बलों के बीच बढ़े हुए सहयोग को दर्शाती है, जिसे राज्य की सीमाओं के पार कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी और सैन्य समन्वय का समर्थन प्राप्त है.

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की ऐतिहासिक सफलता पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने वीर जवानों को दिल्ली में सम्मानित किया है.

एजेंसी

नई दिल्ली : देश के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में जवानों का सम्मान हुआ. केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में डीआरजी , एसटीएफ , सीआरपीएफ, कोबरा और छत्तीसगढ़ पुलिस के वीर जवानों का सम्मान किया.इस दौरान जवानों की परिजन भी मौके पर मौजूद थे.ये अभियान करेगुट्टालु पहाड़ी क्षेत्र में संचालित किया गया था, जहां सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के गढ़ को ध्वस्त किया था. ऑपरशन ब्लैक फॉरेस्ट स्वर्णिम अध्याय : अमित शाह ने इस दौरान कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान के इतिहास में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के दौरान जवानों का शौर्य और पराक्रम एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा. मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएं या समाप्त न हो जाएं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही रहेंगे. नक्सलियों का बेस कैंप तबाह : जवानों का सम्मान करने के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त किया.

मेरे खिलाफ की गई साजिश

के कविता ने हरीश राव-संतोष राव पर पार्टी और परिवार को तोड़ने का लगाया आरोप

अपने भाई और पूर्व मंत्री के. टी. रामा राव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राम अन्ना से केसीआर और पार्टी कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आग्रह करती हूँ। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कविता ने केसीआर को अपनी प्रेरणा बताया और तेलंगाना में दलितों और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने का श्रेय उन्हें दिया। उन्होंने कहा कि क्या 'बंगारू तेलंगाना' समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए नहीं है?

एजेंसी

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने बुधवार को विधान परिषद सदस्य पद से अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिया। एक दिन पहले ही उनके पिता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। कविता ने अपने चचेरे भाई टी. हरीश राव सहित वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी। अपने भाई और पूर्व मंत्री के. टी. रामा राव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राम अन्ना से केसीआर और पार्टी कार्यकताओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आग्रह करती हूँ। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कविता ने केसीआर को अपनी ₹प्रेरणा₹ बताया और तेलंगाना में दलितों और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने का श्रेय उन्हें दिया। उन्होंने कहा कि क्या 'बंगारू तेलंगाना' समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए नहीं है?

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि बाढ़ प्रभावित पंजाब और प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे कुछ अन्य राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी किए

बाढ़-आपदा प्रभावित राज्यों को मिले तत्काल विशेष पैकेज

एजेंसी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बाढ़, भूस्खलन और बारिश जारी रहने के कारण, इन राज्यों के कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर के लिए चेतावनी कम कर दी गई है। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनियों के अनुसार, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर, कई राज्यों और शहरों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। नोएडा, गाजियाबाद, चंडीगढ़, शिमला और जम्मू-कश्मीर में बुधवार को स्कूल बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि बाढ़ प्रभावित पंजाब और प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे कुछ अन्य राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी किए जाएं। राहुल ने एक वीडियो जारी कर पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की स्थिति को लेकर चिंता जताई और कहा कि इनके लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणाकरने की जरूरत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा, मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है।

'50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', सोनिया को अपशब्द- तब कहाँ थे?

तेजस्वी का पीएम मोदी पर तीखा पलटवार

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए माँ के अपमान संबंधी बयानों पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, माँ का अपमान हमारे संस्कारों में नहीं, फिर '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड' और सोनिया गांधी को अपशब्द किसने कहे? तेजस्वी ने रेवन्ना का जिक्र कर भाजपा के मौन पर सवाल उठाया, और अपनी माँ-बहनों के प्रति विधानसभा में हुई अभद्रता का आरोप भी लगाया।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में संपन्न 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा उनकी माँ के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणियों की निंदा करने के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। प्रधानमंत्री की आलोचना का जवाब देते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि माँ का सर्वत्र सम्मान होता है। वहीं, इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है और भाजपा ने गुरुवार को इस मुद्दे पर 'बिहार बंद' का ऐलान किया है।

आरोप शाज़िया इल्मी बोलीं- कांग्रेस वोट डकैत पार्टी है

पवन खेड़ा-नीलिमा पर डबल कार्ड का आरोप

भाजपा नेता शाज़िया इल्मी ने कांग्रेस पर ₹वोट डकैती₹ का आरोप लगाते हुए पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा के पास कथित तौर पर दो-दो मतदाता पहचान पत्र होने का खुलासा किया। इल्मी ने यह भी दावा किया कि 1980 में सोनिया गांधी का नाम इतालवी नागरिक होने के बावजूद वोटर लिस्ट में शामिल था, जिससे कांग्रेस के ₹फजीर्वाड़े और फरेब₹ की दुकान होने का आरोप पुष्ट होता है। चुनाव आयोग से इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शाज़िया इल्मी ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा पर दो-दो मतदाता पहचान पत्र रखने का आरोप लगाया। इल्मी ने कांग्रेस पार्टी को वोट डकैत करार देते हुए आरोप लगाया कि 1980 में सोनिया गांधी का नाम इतालवी नागरिक होने के बावजूद मतदाता सूची में दर्ज था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, शाज़िया इल्मी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सीडब्ल्यूसी सदस्य पवन खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं, और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा, जो 2023 के चुनावों में तेलंगाना के 60 खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार थीं, के पास भी दो मतदाता पहचान पत्र हैं। शाज़िया इल्मी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जो अपने को मोहब्बत की दुकान कहती है, दरअसल फजीर्वाड़े और फरेब का बाजार है। कांग्रेस पार्टी के सीडब्ल्यूसी मेंबर पवन खेड़ा के पास दो दो एपिक कार्ड मिले और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा जो 2023 में 60 खैरताबाद विधानसभा तेलंगाना में उम्मीदवार थीं, उनके पास भी दो दो एपिक कार्ड मिले हैं। इसके बाद कोटा नीलिमा के पास 40 नई दिल्ली का भी एक एपिक कार्ड भी है। इसमें कोटा नीलिमा का नाम के नीलिमा है। भाजपा नेता ने कहा कि वैसे ये दास्तां नई नहीं है, इटैलियन नागरिक होने के बाद भी सोनिया गांधी ने अपने आप को 1980 में वोटर लिस्ट में शामिल किया था। यानी वो भारतीय नागरिक बाद में बनीं, वोटर लिस्ट में नाम पहले शामिल हो गया। वोट चोरी का इल्जाम लगाने वाली कांग्रेस पार्टी दरअसल वोट डकैती के लिए जानी जाती है। ईवीएम आने से पहले कश्मीर और बिहार में किस तरह से वोट डकैती होती थी ये पूरा देश जानता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसे लोकतंत्र से मतलब नहीं है, उसे वोट छलावे से मतलब है। हम मांग करते हैं, चुनाव आयोग इसकी उच्च स्तरीय जांच करे और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करे।

उत्तराखंड में कानून व्यवस्था पर धामी का बड़ा फैसला: उपद्रवियों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सड़कों की मरम्मत और 'सेवा पखवाड़ा' जैसे जनहितकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने की घोषणा की।

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की और राज्य की कानून-व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, सेवा पखवाड़ा और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जनता के लिए सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। पुष्कर सिंह धामी ने कहा सभी संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। राज्य की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। पुलिस द्वारा रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून के बाद सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बरसात के बाद सड़कों के सुधार और गड्ढामुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया अभी पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिलों में सेवा, जनजागरूकता एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

सम्पादकीय

गरीबों का सशक्त बनाने वाली जनधन योजना, महिला सशक्तिकरण के लिए भी मील का पत्थर साबित हुई

गरीबों को बैंकिंग प्रक्रिया से जोड़ने की यह गति अभी भी जारी है।पिछले 11 वर्षों में 56.16 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं।इनमें से 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण या अर्ध शहरी क्षेत्रों में खोले गए और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। इस प्रकार जनधन योजना वित्तीय समावेशन के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के लिए भी मील का पत्थर साबित हुई।इसे विडंबना ही कहेंगे कि आजादी के 67 साल बाद भी देश के आधे परिवारों के लिए बैंकिंग तक पहुंच दूर का सपना था। वित्तीय सुरक्षा के अभाव में गरीबों के सपने कभी साकार नहीं हो पाते थे।तब भले ही बैंकों को गरीबों का हितैषी कहा जाता हो, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर उनका ढांचा गरीबों के अनुकूल नहीं रहा। देश में गरीबी की व्यापकता एवं उद्यमशीलता के माहौल में कमी का एक बड़ा कारण बैंकों तक गरीबों की पहुंच न होना रहा। 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद यह उम?मीद बंधी थी कि अब बैंकों की चौखट तक गरीबों की पहुंच बढ़ेगी, पर समय के साथ यह उम्मीद धूमिल पड़ती गई। 2013 में रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने वित्तीय समावेशन पर नचिकेता मोर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। समिति ने सभी लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने के लिए अधिक व्यापक वित्तीय ढांचे की सिफारिश करते हुअ कहा कि चूंकि गरीब बचत करते हैं, इसलिए उनके लिए एक ऐसी सुरक्षित एवं ब्याज कमाने वाली औपचारिक योजना की जरूरत है, जिस तक आसानी से पहुंच सुनिश्चित की जा सके।आजादी के 67 वर्षों तक जहां आम आदमी को आसानी से बचत खाता तक नसीब नहीं हुआ, वहीं भ्रष्ट नेताओं-नौकरशाहों-ठेकेदारों के बैंक खाते विदेशी बैंकों में खुले। बैंकों की सीमित पहुंच का दुष्परिणाम यह हुआ कि हर स्तर पर बिचौलियों-भ्रष्टाचारियों की भरमार हो गई। इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने यह कहकर स्वीकार भी किया था कि विकास के लिए दिल्ली से चला एक रुपया गरीबों तक पहुंचते-पहुंचते 15 पैसा ही रह जाता है।स्पष्ट है शेष 85 पैसा बिचौलियों-भ्रष्टाचारियों की जेब में जाता था। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ-सबका विकासह्व के लिए आम जनता को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का जो बीड़ा उठाया था, उसी के तहत थी जनधन योजना। हर घर का पासबुकह्व जैसा महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से पीएम जनधन योजना शुरू करने का ऐलान किया। इस योजना की शुरूआत 28 अगस्त 2014 को हुई और इस दिन बैंकों ने गरीबों का खाता खोलने के लिए देश भर में 60,000 शिविर लगाए। पहले ही दिन देश भर में डेढ़ करोड़ बैंक खाते खोले गए। इस कामयाबी को देखते हुए प्रधानमंत्री ने 28 अगस्त को वित्तीय स्वतंत्रता दिवस करार दिया।

आज का विचार

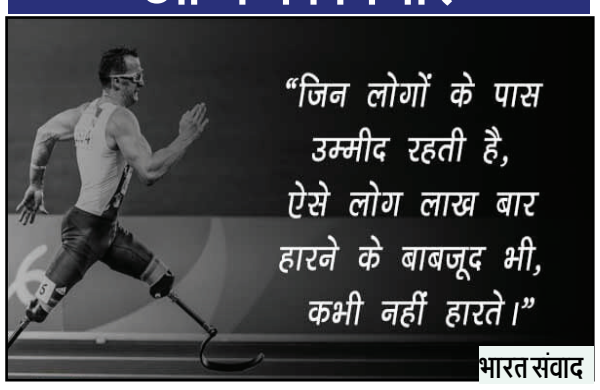

राशिफल

मेष राशिः आर्थिक मामलों में आपको सतर्क रहना होगा और किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाकर रखें। किसी व्यक्ति या बैंक से लोन लेने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार जरूर कर लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।व्यापार के मामले में पुराने मित्रों का सहयोग मिल सकता है

वृषभ राशिः कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा व्यस्त रहना पड़ सकता है। अत्यधिक काम होने के चलते भागदौड़ करनी पड़ सकती है।लेकिन इस दौरान सावधानी जरूर बरतें क्योंकि, पैर में छोटी-मोटी चोट लगने का भय बना हुआ है।

मिथुन राशि : आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अचानक धन लाभ भी हो सकता है। लेकिन सामाजिक कार्यों सें जुड़े लोगों को किसी बाधा का सामना करना पड़ सकता है।हालांकि, परिवार में संतान से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कर्क राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिसके चलते दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम का पूर्ण फल प्राप्त होगा और ननिहाल पक्ष से प्रेम व विशेष सहयोग प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने सुख के साधनों को बढ़ाने के लिए आप धन भी खर्च कर सकते हैं।

सिंह राशिः कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा। उनका ख्याल करके कोई भी फैसला लेना ज्यादा बेहतर होगा और आपको संतोष महसूस होगा। कुछ मामलों में आप अपने आसपास के लोगों की सलाह भी ले सकते हैं

कन्या राशि : आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि, इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो सकता है। इस दौरान आपको संयम बनाए रखना होगा और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा।

तुला राशि : व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक आए कुछ बदलावों और नए कामों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको किसी भी नए काम में सारे पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना होगा।

वृश्चिक राशि : आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, जिसके चलते आपकी सराहना भी की जाएगी। वहीं, बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है और दिन के दूसरे भाग में दोस्तों के साथ समय व्यतीत होगा।

धनु राशिः व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है।लेकिन आर्थिक मामले में सतर्क रहने की जरूरत है।

मकर राशि : आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं जो आपको न चाहते हुए भी करने होंगे। वहीं, साथ-साथ बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होने के योग भी बने हुए हैं।व्यवसाय के क्षेत्र में कामकाज में व्यस्त रहेंगे और आपके रुके हुए सारे काम पूर्ण हो सकते हैं।

कुंभ राशि : आपका ज्यादा समय बुद्धि और विवेक के साथ नई-नई खोज करने में व्यतीत हो सकता है। लेकिन आर्थिक मामलों में आपको सीमित और आवश्यकता के अनुसार ही धन लगाना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मीन राशिः सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, जिससे आपको मनोबल में भी वृद्धि होगी।वहीं, अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कोई विवाद चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है। इसी के चलते मानसिक तनाव कम होगा और कार्यस्थल का वातावरण अच्छा बना रहेगा। परिवार में चल रहे

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चीन को सुधारना होगा अपना रवैया, पाकिस्तान पर आतंकवाद को समाप्त करने के लिए दबाव डालना होगा

भारत के लिए एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच अपनी आवाज उठाने सुरक्षा हितों की पूर्ति और यूरेशिया में अपनी आर्थिक पैठ को विस्तार देने वाले माध्यम की भूमिका निभाते हैं। हाल के सम्मेलन से जो सकारात्मक संकेत मिले हैं उन्हें वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए चीन को सुनिश्चित करना होगा कि उसकी कथनी एवं करनी में कोई भेद नहीं।

पा शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री सात साल बाद चीन गए।इस दौरान मेजबान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा कई अन्य नेताओं के साथ उनकी वार्ता हुई। खासतौर से चिनफिंग के साथ लंबे अर्से बाद मेल-मुलाकात और पुतिन के साथ उनकी आत्मीयता खासी चर्चित रही। एक ऐसे दौर में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां विशेषकर टैरिफ नीति दुनिया में हलचल मचा रही है, तब मोदी-चिनफिंग-पुतिन की तिकड़ी पर दुनिया भर की नजरें टिकना स्वाभाविक ही था। एससीओ के मंच पर प्रधानमंत्री ने भारत की प्राथमिकताओं को भी प्रमुखता से सामने रखा। पाकिस्तान द्वारा किए गए पहलगाम आतंकी हमले की एससीओ द्वारा निंदा करना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत रही। यह रुख जून में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के उलट रहा, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले की निंदा को लेकर दोहरा रवैया दिखाया गया था। नई दिल्ली के लिए यह परिणाम न केवल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एससीओ चार्टर के केंद्रीय मिशन को फिर से स्थापित करता है, बल्कि सदस्य देशों और यूरेशिया के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद की ओर वैश्विक ध्यान भी आकर्षित करता है। शिखर सम्मेलन से पहले और बाद में प्रधानमंत्री ने म्यांमार, मालदीव, मध्य एशिया, बेलारूस, रूस, आर्मेनिया और मिस्र के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं, ताकि कूटनीतिक संबंधों को मजबूत किया जा सके। कई मोर्चों पर प्रगति के

बावजूद इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि एससीओ आंतरिक विरोधाभासों से भरा हुआ है। कई सदस्य इस मंच का उपयोग अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति और भू-राजनीतिक लाभ के लिए करते हैं, जिससे परस्पर विश्वास का अभाव और मतभेद उत्पन्न होते हैं। इसका ही परिणाम है कि यह मंच आतंकवाद, कनेक्टिविटी की कमी और अफगानिस्तान की स्थिति जैसे प्रमुख क्षेत्रीय संकटों के प्रभावी ढंग से समाधान में असफल रहा है। चीन की भूमिका भी समस्याओं से भरी है। भारत के खिलाफ आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते आ रहे पाकिस्तान का चीन हर संभव तरीके से बचाव करता आया है। पाकिस्तान के 80 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण अब चीन से आने लगे हैं। आपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने पाकिस्तान को सहायता पहुंचाई। बीजिंग के संकीर्ण रणनीतिक हितों ने अफ-पाक क्षेत्र को आतंकवाद का गढ़ बना दिया है। इससे क्षेत्रीय संपर्क, सुरक्षा और आर्थिक विकास पर असर पड़ता है और एससीओ कमजोर पड़ता है।वर्ष 2017 में पूर्ण सदस्य के रूप में एससीओ में शामिल होने के बाद से भारत ने इस संगठन को कनेक्टिविटी और ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों की ओर मोड़ने का प्रयास किया है, जो संप्रभुता का सम्मान करते हों। नई दिल्ली की प्राथमिकताएं क्षेत्र के लिए साझा संस्कृति और साझा भविष्य पर केंद्रित रही हैं। उसने भरोसेमंद, लचीली और विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर दिया है। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता के साथ ही सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान भी अनिवार्य है। नई दिल्ली ने एससीओ मंच का उपयोग अपने भू-राजनीतिक और रणनीतिक लक्ष्यों को मध्य एशिया में आगे बढ़ाने और चीन के आक्रामक प्रभाव को संतुलित करने के लिए भी किया है। भारत की सक्रियता के चलते ही मध्य एशियाई देशों ने 2018 में उसे अस्ताना समझौते में शामिल किया और चाबहार पोर्ट एवं अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे को लेकर पूर्वी मार्ग में रुचि दिखाई।इसी वर्ष जून में भारत और मध्य एशिया ने नई दिल्ली में चौथे भारत-मध्य एशिया संवाद के दौरान रेयर अर्थ और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर बात आगे बढ़ाई। यह कदम बीजिंग द्वारा स्वच्छऊर्जा और रक्षा के लिए रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद उठाया गया। मध्य एशिया को बीजिंग के प्रभुत्व के संभावित प्रतिद्वंद्वी के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि वहां रेयर अर्थ तत्वों के समृद्ध भंडार हैं। अकेले कजाकिस्तान में ही 5,000 से अधिक रेयर अर्थ तत्व हैं, जिनका मूल्य 46 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर से अधिक बताया जा रहा है। एससीओ ने भारत और चीन को सीधे संवाद का एक मंच भी प्रदान किया और दोनों देशों ने मतभेदों के बावजूद द्विपक्षीय मुद्दों पर समाधान तलाशने की इच्छा भी जताई। इन मुद्दों में सीमा निर्धारण और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआइ के तहत गुलाम जम्मू-कश्मीर में चीनी निवेश जैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक दक्षिण द्वारा संचालित ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के माध्यम भी बने हैं। युद्धों, संघर्षों, टैरिफ और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों वाले इस दौर में बीजिंग और नई दिल्ली को दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ सहयोग करना चाहिए। उनकी बढ़ती भूमिका और दायित्वों को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक भी है। इससे बहुपक्षीयता और बहु-ध्रुवीय विश्व बनाने की इनकी संकल्पना को भी बल मिलेगा। हालांकि संबंधों की सही दशा-दिशा के लिए चीन को भी यह तय करना होगा कि वह भारत के साथ संबंधों को कैसे आगे बढ़ाएगा। इसके लिए उसे ?भारतीय वस्तुओं और आइटी सेवाओं के लिए अधिक बाजार पहुंच प्रदान करना और पाकिस्तान पर आतंकवाद को समाप्त करने के लिए दबाव डालना होगा।आज जब युद्ध, टैरिफ और भू-राजनीतिक प्रतिस्पधाएं वैश्विक व्यवस्था को अस्थिर कर रही हैं, तब भारत की एससीओ में वापसी बहुपक्षीयता के प्रति उसके मूल्य को दशार्ती है। मोदी की भागीदारी को कमजोरी के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक व्यावहारिकता के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत के लिए एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच अपनी आवाज उठाने, सुरक्षा हितों की पूर्ति और यूरेशिया में अपनी आर्थिक पैठ को विस्तार देने वाले माध्यम की भूमिका निभाते हैं। हाल के सम्मेलन से जो सकारात्मक संकेत मिले हैं, उन्हें वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए चीन को सुनिश्चित करना होगा कि उसकी कथनी एवं करनी में कोई भेद नहीं। तभी एससीओ प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर बहुध्रुवीय स्थिरता का एक विश्वसनीय स्तंभ बन सकता है।

भारतीय इतिहास के गौरव : छत्रपति संभाजी महाराज

समीक्षक : उमेश कुमार सिंह

भारत के इतिहास के गौरवः छत्रपति संभाजी महाराज डॉ. राकेश कुमार आर्य द्वारा रचित पुस्तक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कृति है, जो भारतीय इतिहास में छत्रपति संभाजी महाराज के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके योगदान को उजागर करती है। यह पुस्तक न केवल इतिहास प्रेमियों के लिए बल्कि युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है, क्योंकि इसमें शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के अछुए पहलुओं को बड़ी संजीदगी और गहराई के साथ प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक के लेखक डॉ. राकेश कुमार आर्य ने अपने इतिहास लेखन में जो विशेष दृष्टिकोण अपनाया है, वह इस प्रकार है कि वे अपने इतिहासनायकों के व्यक्तित्व के उन पहलुओं को सामने लाते हैं, जिन्हें सामान्य प्रचलित इतिहास ने अनदेखा किया है। डॉ. आर्य के अनुसार, संभाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी नेता और भारत को मुगलविहीन राष्ट्र बनाने का सपना देखने वाले देशभक्त भी थे। यह पुस्तक पाठकों को यह समझने में मदद करती है कि संभाजी महाराज ने अपने पिता छत्रपति शिवाजी महाराज के 'हिंदवी स्वराज्य' के विचार को आगे बढ़ाते हुए एक ऐसे भारत का निर्माण करने का संकल्प लिया, जहां मुगलों का प्रभाव समाप्त हो। लेखक ने पुस्तक में यह स्पष्ट किया है कि भारतीय इतिहास में संभाजी महाराज के व्यक्तित्व और उनके योगदान के साथ अन्याय हुआ है। इतिहासकारों और लेखकों ने उनके कृतित्व को सही सम्मान नहीं दिया, और उन्हें मुगल प्रेमी दृष्टिकोण के आधार पर प्रस्तुत किया। डॉ. आर्य का प्रयास इसे बदलना और संभाजी महाराज की वास्तविक महानता को सामने लाना है। लेखक का मानना है कि संभाजी महाराज भारतीय इतिहास के गौरव हैं और उनका उचित सम्मान और स्थान स्थापित करना युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है, ताकि वे अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर वर्तमान समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा सकें। पुस्तक का प्रारंभ संभाजी महाराज के पिता छत्रपति शिवाजी महाराज से होता है और उनके 'हिंदवी स्वराज्य' की विचारधारा को विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इसके बाद संभाजी महाराज के बचपन, शिक्षा, विवाह और उनके प्रारंभिक जीवन की घटनाओं का उल्लेख है, जो उनके चरित्र और नेतृत्व क्षमता को उभारते हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तक में उनके साहित्यिक पक्ष, प्रशासनिक दृष्टिकोण और प्रजाहितकारी कार्यों को भी दशार्या गया है। संभाजी महाराज न केवल युद्धकला में प्रवीण थे, बल्कि एक लेखक और विचारक के रूप में भी उभरकर सामने आए। पुस्तक में 'छावा' फिल्म और इसके निर्माण का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें संभाजी महाराज की भूमिका विक्की कौशल ने निभाई है। फिल्म ने संभाजी महाराज के व्यक्तित्व को नया स्वरूप दिया है और युवाओं में उनके प्रति सम्मान और गौरव की भावना पैदा की है। लेखक के अनुसार, इस प्रकार की फिल्में हमारे अतीत के गौरवशाली पहलुओं से युवाओं को परिचित कराने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। माता जीजाबाई की प्रेरणा और मार्गदर्शन ने शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज दोनों को राष्ट्रवाद और वीरता के मार्ग पर अग्रसर किया। पुस्तक में संभाजी महाराज के युद्ध, उनके बलिदान और धार्मिक आस्थाओं का विशेष उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से उनके बुरहानपुर में कैद होने और औरंगजेब द्वारा दिए गए अत्याचारों के दौरान उनका साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने मृत्यु को भी मातृभूमि की सेवा और धर्म की रक्षा के लिए स्वीकार किया। यह उनके दृढ़ निश्चय और त्याग की अनूठी मिसाल है। संभाजी महाराज के प्रशासनिक कौशल, मुगलों और पुर्तगालियों के साथ उनके संघर्ष, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से संबंध, मराठा-मैसूर संबंध और भारत बचाओ अभियान का उल्लेख भी पुस्तक में किया गया है। इन अध्यायों में उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के लिए किए गए प्रयासों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया है। कवि कलश और अन्य साथियों के बलिदान का वर्णन इस बात की पुष्टि करता है कि संभाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि उनके नेतृत्व में कई वीर सपूतों ने भी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। पुस्तक के लेखक ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारतीय इतिहास के साथ अन्याय हुआ है। हमारे वीर और धर्मयोद्धाओं के बलिदानों को भुला दिया गया और सनातन संस्कृति की रक्षा करने वालों को उचित सम्मान नहीं मिला। इस संदर्भ में डॉ. आर्य ने पुस्तक के माध्यम से इसे सही करने का प्रयास किया है। वे चाहते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी अपने अतीत की गौरवशाली घटनाओं से प्रेरणा लेकर अपने राष्ट्र और संस्कृति के प्रति गर्व महसूस करे। पुस्तक में छत्रपति संभाजी महाराज के वंश परंपरा, उनके उत्तराधिकारी और भारतीय इतिहास में उनके योगदान का भी विस्तार से उल्लेख है। लेखक ने संभाजी महाराज को न केवल एक वीर योद्धा, बल्कि एक जीवंत और प्रेरणादायक इतिहास पात्र के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके कृतित्व और परिश्रम को स्मारक के रूप में संरक्षित करने का आग्रह लेखक ने विशेष रूप से किया है। अंततः, ₹भारतीय इतिहास के गौरवः छत्रपति संभाजी महाराज₹ पुस्तक युवाओं और इतिहास प्रेमियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कृति है। यह पुस्तक न केवल एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, बल्कि यह प्रेरणा, साहस और देशभक्ति की मिसाल भी प्रस्तुत करती है। डॉ. राकेश कुमार आर्य ने संभाजी महाराज के व्यक्तित्व और उनके कृतित्व के उस पक्ष को उजागर किया है, जो सामान्य इतिहास में छिपा रह गया था। पुस्तक का उद्देश्य केवल इतिहास को प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इसे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवंत बनाना है, ताकि वे अपने वीर इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की सेवा में योगदान दे सकें। संपूर्ण पुस्तक में लेखक का दृष्टिकोण स्पष्ट और दृढ़ है। उनका प्रयास यह है कि संभाजी महाराज को केवल एक मराठा योद्धा के रूप में नहीं बल्कि भारतीय इतिहास के गौरव और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाए। यह पुस्तक वास्तव में इतिहास के प्रति सम्मान और जागरूकता पैदा करने वाली है। डॉ. राकेश कुमार आर्य की यह पुस्तक हमारे इतिहास के एक ऐसे महान नायक छत्रपति संभाजी महाराज को उचित सम्मान और गौरव प्रदान करती है। यह युवाओं में देशभक्ति, साहस और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने में सहायक है। इतिहास के इन गौरवशाली पृष्ठों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुँचाना

विघ्नहर्ता श्री गणेश जी के आध्यात्मिक रहस्य और शक्तियां

भारत देश की सभ्यता संस्कृति का त्यौहार एक अभिन्न व महत्वपूर्ण अंग है । त्यौहार हमारे जीवन में विभिन्न प्रकार की खुशियां,उमंग उत्साह लेकर आते हैं इन्हीं त्यौहारों में से एक महत्वपूर्ण एवं पवन पर्व गणेश चतुर्थी है । गणेश जी के पूरे शरीर में सिर को अलग कर के देखेंगे तो मनुष्य का ही शरीर दिखता है परंतु इनके शरीर को हाथी का चेहरा दिया गया इसीलिए उन्हें गजधर कहते हैं जिनमें हाथी के समान अंग दिखाई देते हैं । जिनमें आंख, कान, सूंड, दांत आदि शामिल हैं ।परंतु इन सभी के पीछे आध्यात्मिक रहस्य और शक्तियां है जैसे सूंडसूंड आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है ।हाथी की सूंड इतनी मजबूत और शक्तिशाली होती है कि वह वृक्ष को भी उखाड़ कर, सूंड में लपेटकर ऊपर उठा कर फैंक सकता है । वह एक बुलडोजर और क्रेन की तरह कार्य एक साथ कर सकता है । साथ ही छोटे-छोटे बच्चों को भी प्रणाम करता है, किसी को पुष्प अर्पित करता है, पानी का लोटा चढ़ाकर पूजा करता है, सुई जैसी सुक्ष्म चीज को भी उठा लेता है । ज्ञानवान व्यक्ति भी अपने मूल आदतों को जड़ों से उखाड़कर फेंकने में समर्थ होता है । सुक्ष्म से सुक्ष्म बातों को भी धारण करने के लिए, दूसरों को सम्मान,स्नेह और आदर देने में वह कुशल होता है । अपने पुराने कुसंस्कारों को जड़ से पकड़कर निकाल फेंकने के लिए भी हाथी की सूंड जैसी उसमें आध्यात्मिक शक्ति होती है । इस तरह हाथी की सूंड ज्ञानी व्यक्तियों की क्षमताओं का प्रतीक हैं ।कर्ण(कान उनके कान अत्यंत अद्भुत पंखे जैसे बड़े बड़े होते हैं बड़े-बड़े खुले कान हमें यह शिक्षा देते हैं कि आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बात चाहे वह स्व के प्रति हो या अन्य के प्रति से ध्यान से सुने । कान को मुख्य ज्ञानेंद्रिय माना गया है । गुरु भी जब अपने शिष्य को मंत्र देते हैं तो उसके कान में ही उच्चारण करते हैं । भगवान ने जब गीता ज्ञान दिया तो अर्जुन ने कानों के द्वारा ही उसे सुना । अतः बड़े-बड़े कान, ज्ञान श्रवण के प्रतीक हैं । वे ध्यान से, जिज्ञासापूर्वक, ग्रहण करने की भावनाओं को भावना से, पूरा चित्त देकर सुनने के प्रतीक हैं । ज्ञान की साधना में श्रवण, मनन और निज अध्ययन यह तीन पुरुषार्थ बताए गए हैं । इनमें सबसे प्रथम श्रवण है । ज्ञान के सागर परमात्मा के विस्तृत ज्ञान का श्रवण इन बड़े कानों से समुचित करना ही इसका प्रतीक है । आंखें (चक्षु): उनकी आंखे दिव्य दृष्टि वाली होती है उन्हें छोटी चीज भी बड़ी दिखाई देती है । यदि उन्हें छोटी चीज भी दिखाई नहीं देती तो वह सबको अपने पांव के नीचे रौंदता चले जाते । दूसरा उनकी आंखें छोटी लेकिन दूरदर्शिता का प्रतीक होती हैं । हमारे जीवन में कई सुक्ष्म बातें रहस्यपूर्ण बातें होती हैं जिन्हें दूरदर्शिता को ध्यान में रखते हुए उनके परिणाम को देखते हुए फिर अपनानी चाहिए । ज्ञानवान व्यक्ति का भी एक गुण होता है वे छोटो में भी बढ़ाई से देखतें है । हर एक की महानता उसके सामने उभरकर आती है और सब का सब को आदर देता है उसके मन को अपने शब्दों से रौधता नहीं है ।महोदर(पेट)बोलचाल की भाषा में यह कहा जाता है कि इसका तो पेट बड़ा है इनको कोई भी बात सुना दी जाए तो वह बाहर नहीं निकलती हैं । गणेश जी का पेट बहुत बड़ा होता है । जो कि समाने की शक्ति का प्रतीक है । ज्ञानवान व्यक्ति के सामने भी निंदा स्तुति, जय-पराजय ऊंच-नीच की परिस्थितियां आती है परंतु वह उनको स्वयं में संभाल लेतें है । गणेश जी का लंबा पेट अथवा बड़ा पेट (महोदर) ज्ञानवान के इसी गुणों का प्रतीक है । गणेश जी की चार भुजाएं दिखाई जाती हैं । उनमें से एक में कुल्हाड़ा दिखाया जाता है । कुल्हाड़ा तो काटने का एक साधन है ज्ञानवान व्यक्ति मे ममता के बंधन काटने और संस्कारों को जड़ से उखाड़ने की क्षमता होती है उसी का प्रतीक यह कुल्हाड़ा है । ज्ञान एक कुल्हाड़ी की तरह से है जो उसके मन के जुड़े हुए दैहिक नातो को चूर चूर कर देता है ।

तीन दिवसीय रीजनल लेवल प्रोग्राम रिव्यू समीक्षा बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

प्रयागराज। विगत 27 से 29 अगस्त के मध्य सिविल लाइंस स्थित एक होटल में तीन दिवसीय रीजनल लेवल प्रोग्राम रिव्यू समीक्षा बैठक हुई जिसमें पांच जिलों से लोग सम्मिलित हुए। प्रयागराज के डीएमओ आनंद सिंह, नोडल डॉ. राजेश सिंह, EMBED FHI के ऐसोसियेट सोम कुमार शर्मा, आरसी धर्मेन्द्र त्रिपाठी, प्रयागराज से जिला समन्वयक सीमा पाण्डेय और टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसमें EMBED के प्रोग्राम की समीझा व फील्ड विजिट किये गये। बैठक में दिल्ली से डॉ. किंगजार्ज भी ऑनलाइन जुड़े रहे। उन्होंने सीवी के चुनौतियों को रेखांकित करते हुए अपने विचार साझा किये साथ ही उन्होंने सभी एमआई-डीएमओ की उपस्थिति में विक्टर बोर्न पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कॉर्डिनेशन पर विशेष जोर दिया।

प्रयागराज में सीमांचल एक्सप्रेस से 15 बच्चों को बचाया

मानव तस्करी का खुलासा, बच्चों को मदरसे की आड़ में लुधियाना ले जा रहा था

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन पर जीआरपी और आरपीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सीमांचल एक्सप्रेस से 15 बच्चों को मुक्त कराया। जोगबनी से आनंद विहार जाने वाली इस ट्रेन में मानव तस्करी की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि बच्चों को मदरसे में पढ़ाई के नाम पर काम कराने के लिए लुधियाना ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद आस्था महिला एवं बाल विकास संस्थान ने इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाई। संस्थान के प्रोग्राम मैनेजर दिव्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि बिहार से उन्हें जानकारी मिली थी कि सीमांचल एक्सप्रेस से बच्चों को लुधियाना भेजा जा रहा है। मिजार्पुर में चेकिंग कराई गई, लेकिन ट्रेन मात्र दो मिनट रुकने के कारण बच्चों को नहीं बचाया जा सका। इसके बाद जैसे ही ट्रेन प्रयागराज जंक्शन की ओर बढ़ी, यहां के अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन के पहुंचने से पहले ही जीआरपी और आरपीएफ की टीमें महिला पुलिस बल के साथ सक्रिय हो गईं। जांच के दौरान स्लीपर कोच से 4 और जनरल कोच से 11 बच्चे बरामद किए गए। सभी बच्चों की उम्र 10 से 17 साल बताई जा रही है। इस दौरान एक महिला और उसके साथी ने दावा किया कि उनका बच्चा भी पकड़ लिया गया है। हालांकि, पकड़े गए बच्चों के पास कोई वैध कागजात नहीं मिले। सभी बच्चों का कहना था कि उन्हें ठेकेदार पढ़ाई के लिए ले जा रहा है। लेकिन जीआरपी को आशंका है कि उन्हें काम पर लगाने के लिए ले जाया जा रहा था। इस पूरे ऑपरेशन में बच्चों को ले जा रहा ठेकेदार मौके से फरार हो गया। जीआरपी इंस्पेक्टर अवलेश कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों को सुरक्षित उतार लिया गया है और मामले की विस्तृत जांच चल रही है। विधिक कार्रवाई कर दोषियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

फास्ट ट्रैक

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 25000/- का इनामियाँ गैंगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं इनामियाँ/पुरस्कार घोषित अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं उक्त निर्देश के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में थाना अहरौरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । आज दिनांकः03.09.2025 को प्रभारी निरीक्षक थाना अहरौरा मय पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थे कि इस दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अहरौरा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सेमरा नहर चौराहे के पास से मु0अ0सं0-196/2025 धारा 3(1)उ0प्र0 गैंगेस्टर अधिनियम के अभियोग से सम्बन्धित ? 25 हजार के इनामियाँ अभियुक्त चन्दन कुमार सिंह पुत्र अमरनाथ सिंह निवासी सिरसी थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर शादी का झांसा देकर भगाने व धर्मान्तरण कराने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना मड़िहान, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः27.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-255/2025 धारा 87,137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मड़िहान को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना मड़िहान पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः03.09.2025 को उप निरीक्षक श्यामबदन यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर वादी के घर से नामजद अभियुक्त शमशेर उर्फ आर्यन पुत्र जुबेर निवासी मीरगंज थाना मुरलीगंज जनपद मधेपुरा बिहार (हालपता मुनीब के कारये का मकान बन्देइया थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर) को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त शमशेर उपरोक्त द्वारा पीड़िता को बहला फुसलाकर अपने साथ बिहार ले जाकर धर्म परिवर्तन कराया गया था । थाना मड़िहान पर पंजीकृत मु0अ0सं0-255/2025 धारा 87,137(2) बीएनएस में विवेचनात्मक कार्यवाही एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर धारा 351(3), 352 बीएनएस व 3(1)/5(1) उ0प्र0 विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम व धारा 3(2)५ क, 3(1)(द), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट की बढोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने एवं लोक परिशांति भंग करने के अभियोग से सम्बन्धित 05 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः02.09.2025 को वादी उमेश यादव पुत्र तौलन यादव निवासी ग्राम सिरसी गहरवार थाना को0देहात जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध जमीनी पैमाइश को लेकर लाठी, डण्डा व फरसा से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल/बेहोश कर देने, गाली-गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देने तथा लोक परिशांति भंग करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-389/2025 धारा 191(2),191(3), 190,115(2), 352, 351(2), 110,125 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्माह्न वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक को0देहात को निर्देश दिए गए ।

महानिदेशक रेल सुरक्षा बल रेलवे बोर्ड द्वारा रेलवे में हो रहे अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

भारत संवाद

प्रयागराज। सुश्री सोनाली मिश्रा, (आई.पी.एस.) महानिदेशक, रेल सुरक्षा बल, रेलवे बोर्ड नई दिल्ली का प्रयागराज में आगमन हुआ। महानिदेशक महोदया के द्वारा रे.सु.ब. प्रयागराज पोस्ट, वरि. मण्डल सुरक्षा आयुक्त कार्यालय / प्रयागराज एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, सह महानिरीक्षक, रेल सुरक्षा बल, प्रयागराज कार्यालय का निरीक्षण किया गया तथा मुख्यालय में सुश्री रेनु पुष्कर छिब्बर, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेल सुरक्षा बल, प्रयागराज व रेल सुरक्षा बल के तीनों मंडलों के वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्तों एवं अन्य अधिकारियों के साथ संगोष्ठी कर रेलवे में हो रहे अपराधों पर नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये, महानिदेशक रेल सुरक्षा बल महोदया के द्वारा प्रयागराज में प्रयागराज, झांसी एवं आगरा मण्डल से आये हुये बल सदस्यों का सैनिक सम्मेलन लिया तथा सम्मेलन के दौरान बल सदस्यों को ड्यूटी सम्बन्धित, अनुशासन से सम्बन्धित आवश्यक दिशा निर्देश दिये और बल सदस्यों की समस्याओं को व्यक्तिगतरूप से सुना व उनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया इसके साथ-साथ महोदय के द्वारा बल सदस्यों को ड्यूटी के साथ-साथ अपने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने हेतु प्रोत्साहित किया तथा नशा करने के दुष्परिणाम के संबंध में सभी बल सदस्यों को होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान के संबंध में जागरूक किया गया। रेलवे सुरक्षा पोस्ट सूबेदारगंज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया तथा ड्यूटी के दौरान रेल की व स्वंय की भी संरक्षा को ध्यान में रखते हुये अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु दिशा निर्देशित किया।

परिवहन मंत्री ने पीईटी परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के संबंध में दिए निर्देश

अभ्यर्थियों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो

स्टेशनों पर एवं बसों में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था रखें – श्री दयाशंकर सिंह

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को आयोजित होने वाली प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) के संबंध में समुचित परिवहन बस सेवा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उक्त परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों की संभावित संख्या के दृष्टिगत समुचित संख्या में अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाए। मार्ग पर पड़ने वाले सभी बस स्टेशनों पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए, जिससे कि अभ्यर्थियों विशेषकर महिला अभ्यर्थी को कोई असुविधा न हो। परिवहन मंत्री के निदेर्शों के क्रम में एमडी परिवहन निगम श्री मासूम अली सरवर ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा दो दिवसों में चार पालियों में आयोजित होनी है। प्रदेश के 48 जनपदों में कुल 1479 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों के आवागमन की संभावना है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक लखनऊ में 01 लाख 26 हजार 912 परीक्षार्थी उक्त परीक्षा में शामिल होंगे। ऐसे में लखनऊ में परिवहन की अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। इसी प्रकार गाजियाबाद में भी लगभग 01 लाख परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे है। प्रदेश के सभी 48 जनपदों में परीक्षार्थी विभिन्न जनपदों से परीक्षा देने आयेगे। ऐसे में परिवहन निगम की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी निभाने का दायित्व सौपा है।

श्री सरवर ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों तथा नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अन्य जनपदों से जहां से अभ्यर्थी आएगे के क्षेत्रीय प्रबंधक आपस में वार्ताकर बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी दो दिन पूर्व से प्रस्थान करना प्रारम्भ कर सकते हैं। ऐसे में सभी 48 जनपदों में स्थित निगम बस स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में बसें उपलब्ध रहें। उक्त जनपदों से टारगेट जनपद के लिए बसें एक निश्चित काउन्टर पर उपलब्ध रहें, की व्यवस्था भी सुनिश्चित करायें।

कला समीक्षा: रंगिनी : रंगों और भावों का स्त्री स्वरूप

भारत संवाद / आशीमा मेहरोत्रा और एम. सारदा

नई दिल्ली स्थित सिविल सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में आयोजित सामूहिक कला प्रदर्शनी रंगिनी कला प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव लेकर आई है। इस प्रदर्शनी में प्रख्यात दृश्य कलाकार आशीमा मेहरोत्रा और एम. सरदा की कृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें दो विपरीत लेकिन सशक्त कलाभाषाएँ एक साथ संवाद करती दिखाई देती हैं।

रंगिनी नाम ही अपने आप में रंग और अभिव्यक्ति के स्त्री स्वरूप का प्रतीक है। यह प्रदर्शनी अमूर्तन और रूपक के बीच पसरे भावनात्मक और सांकेतिक परिदृश्य को नए आयामों में खोजती है। आशीमा मेहरोत्रा की एनकॉस्टिक कृतियाँ वेदांत और दार्शनिक चिंतन में निहित आध्यात्मिक आत्मविश्लेषण और ब्रह्मांडीय मौन का बोध कराती हैं, वहीं सरदा की जीवंत कैनवस पेंटिंग्स सहज लय, भौतिक समृद्धि और अभिव्यक्ति की स्वच्छंदता को उजागर करती हैं।रंगिनी प्रदर्शनी में प्रस्तुत कृतियों ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। आशीमा मेहरोत्रा की विभत्स और दहलीज जैसी पेंटिंग्स ने अपने दार्शनिक और भावनात्मक आयामों से आत्ममंथन के क्षण प्रदान किए, वहीं एम. सारदा की गोल्डन माउंटेन्स और अर्धनारीश्वर जैसी रचनाओं ने रंगों की समृद्धि और प्रतीकों की सजीवता से दर्शकों को मोहित कर लिया। इन दोनों कलाकारों की कलाभाषाओं का संगम दर्शकों को एक अनोखा अनुभव देता है। जहाँ भिन्नता में भी सामंजस्य है और रूपों की तरलता में भी गहन सौंदर्य छिपा है। रंगिनी सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यह रंगों और भावों के जरिए आत्मा और प्रकृति के बीच सेतु का कार्य करती है। कलाभाषाओं और बहुआयामी दृष्टिकोणों को समझने के इच्छुक कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी निस्संदेह एक उल्लेखनीय अवसर है।

कलाकार परिचय:

आशीमा मेहरोत्रा एक प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं, जिन्होंने बचपन से ही कला को आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया है। उन्होंने पाँच वर्ष की आयु में चित्रकारी आरंभ की और शब्दों के पहले रंगों से संवाद करना सीखा। वहीं एम. सारदा एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड इन सुप्रीम कोर्ट हैं, जिन्हें बचपन से ही कला में रुचि होने की वजह से विविध अभिव्यक्तियों और जीवन की परिस्थितियों से प्रेरित रंगों को कैनवास पर उकेरना शुरू कर दिया।

सुमित वैश्य चौक मंडल अध्यक्ष ने दी बधाई कुमकुम श्रीवास्तव को

भारत संवाद

प्रयागराज।चौक मंडल की उपाध्यक्ष कुमकुम श्रीवास्तव जी को जन्मदिन के अवसर पर उनको अंग वस्त्र पहनाकर के सम्मानित किया गया और उनकी दीर्घायु के कामना की गई और स्वस्थ रहें प्रसन्न रहें आनंद में रहे ईश्वर से यही कामना करते हैं उपस्थित मंडल के महामंत्री मनमोहन मिश्रा जी मंडल उपाध्यक्ष मासु अब्बास नकवी जी पूर्व उपाध्यक्ष लता उपाध्याय जी रोशनी अग्रवाल जी मंडल मंत्री मधुसूदन निषाद जी सोशल मीडिया प्रभारी शाश्वत मिश्रा जी नीरज अग्रवाल जी देव तुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने दी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव न लड़ने वाले पंजीकृत राजनैतिक दलों की सुनवाई की

सुनवाई में 51 पंजीकृत राजनैतिक दलों में से 17 राजनैतिक दल उपस्थित रहे

- उ0प्र0 राज्य के पते पर पंजीकृत 121 राजनैतिक दलों को विगत छः वर्षों से चुनाव में प्रतिभाग न करने के कारण जारी हुआ था कारण बताओ नोटिस
- पंजीकृत राजनैतिक दल अपना ईमेल, मोबाइल नंबर तथा वर्तमान पता अपडेट रखे : मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा

भारत संवाद

लखनऊः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे राजनैतिक दल जो विगत छः वर्षों से प्रत्यक्ष रूप से लोक सभा एवं विधान सभा के चुनाव में प्रतिभाग नहीं कर रहें थे उनके प्रतिनिधियों के साथ बुधवार दिनांक 03 सितम्बर, 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में सुनवाई की। उन्होंने प्रत्येक दल द्वारा प्रस्तुत किए गए अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरण जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया और सभी दलों के मोबाइल नंबर, पंजीकरण संख्या, वर्तमान पता व ईमेल की भी जांच की।मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा ऐसे दलों के प्रतिनिधियों को अपना प्रत्यावेदन, शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ सुनवाई के दौरान कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। उन्होने सुनवाई के लिए प्रदेश के पते पर पंजीकृत 121 राजनैतिक दलों को कारण बताओं नोटिस जारी किया था, इसमें से 03 सितम्बर को 51 राजनैतिक दलों को सुनवाई के लिए बुलाया गया था,जिसमें से 17 पंजीकृत राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सुनवाई में प्रतिभाग किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 02 एवं 03 सितम्बर को की गयी सुनवाई में 121 राजनैतिक दलों में से 55 राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

शुभकामनायें

प्रकृति, भाईचारे और विविधता का पर्व एकता का अर्थ एकरूपता नहीं, बल्कि विविधता में सामंजस्य

करम पूजा की देशवासियों को अनन्त शुभकामनायें

प्रकृति के साथ सामंजस्य ही जीवन का मूल मंत्र : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। भारत की भूमि विविधताओं से भरी हुई है। यहाँ का हर कोना, हर संस्कृति और हर उत्सव हमें संदेश देता है कि एकता केवल समानताओं से नहीं, बल्कि विविधताओं के सम्मान में ही समाहित है। इन्हीं दिव्य परंपराओं में से एक है आदिवासी समाज का पावन पर्व करम पूजा, करम पूजा की अनंत शुभकामनायें। करम पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति से गहरे जुड़ाव, भाई-बहन के पवित्र संबंध और श्रम व कृषि के महत्व का जीवंत प्रतीक है। इस दिन करम देवता की पूजा होती है। करम देवता, प्रकृति, हरियाली, समृद्धि और भाईचारे का प्रतीक है। पूजा का प्रार्थना की जाती है कि करम देवता ही धरती पर हरियाली लाते हैं, फसलों को समृद्धि देते हैं और परिवार की रक्षा करते हैं। इस पूजा का मुख्य आकर्षण होता है गांव या आँगन में करम वृक्ष की डाल का प्रतिष्ठापन करना। युवतियाँ उपवास रखकर गीत-नृत्य करती हैं, करम कथा का श्रवण होता है और सामूहिक उत्सव मनाया जाता है। यह जीवन में प्रकृति और परिवार के महत्व को पुनः जाग्रत करने का सामूहिक प्रयास है। करम पूजा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य और प्रकृति का रिश्ता केवल उपयोग, यूज एंड थ्रो का नहीं, बल्कि सहयोग, संरक्षण और यूज एंड ग्रो का होना चाहिए। जिस धरती से हम अन्न प्राप्त करते हैं, जिसकी हवा और जल हमें जीवन देते हैं, उसका संरक्षण करना ही सच्ची पूजा है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है, तब आदिवासी समाज का यह पर्व हमें संदेश देता है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही जीवन का मूल मंत्र है। करम पूजा का संदेश आधुनिक समय में और भी प्रासंगिक है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम सब मिलकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा करें। साथ ही, करम पूजा भाई-बहन के स्नेह और पारिवारिक बंधन को भी मजबूती देती है। यह पर्व बताता है कि समाज की सबसे बड़ी ताकत आपसी एकता और भाईचारा है। जब परिवार और समाज संगठित होते हैं, तभी राष्ट्र मजबूत बनता है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत की यही खूबसूरती है, यहाँ हर समुदाय, हर संस्कृति और हर उत्सव राष्ट्र की आत्मा में अपनी विशिष्टता जोड़ता है। करम पूजा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि विविधताओं का उत्सव है। यह पर्व हमें तीन गहरे संदेश देता है कि प्रकृति का सम्मान करें क्योंकि पेड़, पौधे, जल और धरती हमारी धरोहर हैं। परिवार और भाईचारे को संजोएं, यही हमारी सामाजिक शक्ति है। श्रम और कृषि का आदर करें क्योंकि यही हमारी अन्न-समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार है।

स्वामी जी ने कहा कि करम पूजा हमें यह भी संदेश देती है कि परंपराएँ केवल रीति-रिवाज नहीं होतीं, बल्कि जीवन जीने का मार्गदर्शन होती हैं। जब हम इन पर्वों को सम्मान देते हैं, तो हम अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं और जब हम अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, तभी सच्चे अर्थों में प्रगति कर सकते हैं। आज आवश्यकता है कि हम सब मिलकर इस पर्व से प्रेरणा लें और यह संकल्प करें कि भारत की विविधता का सम्मान करेंगे। हमें यह समझना होगा कि एकता का अर्थ एकरूपता नहीं, बल्कि विविधता में सामंजस्य है।

सुरक्षा, समयपालनता और गतिशीलता को बनाएं प्राथमिकता: जीएम

महाप्रबंधक महोदय द्वारा झांसी मंडल का किया गया निरीक्षण

- रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, कोच मिडलाइफ रिहैबिलिटेशन सेंटर और कोच केयर सेंटर का महाप्रबंधक महोदय ने किया दौरा
- विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक, विकास कार्यों पर की विस्तृत चर्चा

भारत संवाद

झांसी। उत्तर मध्य रेलवे के नवनियुक्त महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत झांसी मंडल का प्रथम दौरा किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा ने महाप्रबंधक महोदय का स्वागत किया।महाप्रबंधक महोदय ने सर्वप्रथम कोच केयर सेंटर का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कोचों की मेंटेनेंस से जुड़ी कार्यप्रणाली, सफाई व्यवस्था, तकनीकी सुविधाओं तथा सुरक्षा मानकों का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्री कोचों की देखभाल में उच्चतम गुणवत्ता बनाए रखते हुए यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। श्री सिंह द्वारा टीआरडी (डिपो) का भी निरीक्षण किया गया। यहां महाप्रबंधक महोदय द्वार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात उन्होंने द्वारा रेल कोच नवीनीकरण कारखाना (RCNK) का दौरा किया। महाप्रबंधक महोदय ने यहां कोचों के नवीनीकरण से संबंधित विभिन्न चरणों की समीक्षा की और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने और गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया। श्री सिंह ने कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की तथा कार्य दक्षता में और सुधार हेतु सुझाव भी आमंत्रित किए। दौरे के दौरान महाप्रबंधक महोदय कोच मिडलाइफ रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप (CMLR) भी पहुंचे। यहां उन्होंने कोचों के पुनर्वास एवं उन्नयन से जुड़े कार्यों का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोचों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव मिल सके।

बिजली से संबंधित समस्याओं को लेकर भाकियू भानु करेगा एमडी आगरा का घेराव

गभाना मे बैठक आयोजित कर बनायी रणनीति

प्रवीन कु शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

गभाना। क्षेत्र के ग्रांड पैलेस मैरिज होम मे भारतीय किसान यूनियन (भानु) अलीगढ के युवा जिलाध्यक्ष कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व मे बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक वीरपाल सिंह संचालन वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतपाल सुमन ने किया युवा जिलाध्यक्ष कृष्णा ठाकुर ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह के नेतृत्व मे किसानों की बिजली से संबंधित समस्याओं को लेकर एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण खण्ड निगम आगरा का किसानों के नलकूपों को सिंचाई के लिए 15 घंटे आपूर्ति करने एवं किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर 9 सितंबर को घेराव किया जायेगा जिला अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ युवा रोहित सिंह ने कहा कि अलीगढ़ से संगठन के सैकड़ों पदाधिकारी निजी वाहनों से 9 सितंबर को आगरा एमडी का घेराव करने के लिए गभाना से प्रस्थान करेगे इस दौरान ब्लांक अध्यक्ष लोधा राजकुमार सिंह,

सुमित ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु पंडित, डॉ. बलजीत चौधरी, कन्हैया सिंह, राजेश तिवारी, सूरज जादौन, विवेक सारस्वत, कुलदीप शर्मा, कांता प्रसाद सारस्वत, प्रदीप सारस्वत, मंजू रानी, संदीप ठाकुर, सौरभ सिंह, सोनू जादौन, गौरव तिवारी, आदि मौजूद रहे ।

पोषण योजनाओं की समीक्षा में लापरवाह अधिकारियों पर डीएम सख्त

आंगनबाड़ी केंद्रों में बाला पेंटिंग, पोषण वाटिका व पेयजल कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश

सितंबर मासांत तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण पूर्ण हों -डीएम

भारत संवाद

अलीगढ़। (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बाल विकास विभाग की योजनाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं बाला पेंटिंग सहित अन्य गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। डीपीओ के0के0 राय ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्राम पंचायतों द्वारा 96 आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने थे, जिनमें से 7 पूर्ण, 71 पर कार्य प्रगति पर और 25 पर कार्य आरंभ नहीं हो सका है। ब्लॉक अकराबाद, अतरौली, इगलास, खैर, जवां, गंगीरी, चंडौस, धनीपुर व टप्पल में निर्माण कार्य शेष हैं। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा प्रस्तावित 13 में से 12 पर कार्य जारी है, जिनमें से 6 पूर्ण हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में ग्राम पंचायतों द्वारा प्रस्तावित 38 में से 34 पर कार्य प्रारंभ हुआ तथा 11 कार्य पूरे हुए। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा लिए गए 25 कार्यों में सभी आरंभ हो चुके हैं, जिनमें 13 फिनिशिंग स्टेज पर हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सितंबर मासांत तक सभी कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं एवं समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रस्तावित 184 में से 172 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बाला पेंटिंग कार्य पूर्ण हुआ है। गंगीरी, जवां, टप्पल, चंडौस में कार्य शेष है। इसी प्रकार से 197 आंगनबाड़ी का विद्यालयों में युग्मीकरण कराया जाना था, जिनमें 83 शिफ्ट हो चुके और 114 प्रगति पर हैं। पेयजल योजना से जुड़ने वाले 61 केंद्रों में से 45 पर कार्य पूरा हुआ है। डीएम ने जल जीवन मिशन के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों को जोड़ने के निर्देश दिए। पोषण वाटिकाएं 55 स्थानों में से 8 पर पूरी हुईं, 47 शेष हैं। 189 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए एलईडी उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें 148 इंस्टॉल हो चुकी हैं। बैठक में पोषण ट्रैकर पर फेशियल रिकग्नाइजेशन, बच्चों का वजन पोर्टल पर अपलोड करने, और संभव पोर्टल पर कम्पोजिट स्कोर बढ़ाने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ को बच्चों का नियमित वजन दर्ज करने और डेटा समय से अपलोड करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 2454 में से 1387 लाभार्थियों को लाभ दिया जा चुका है। जिलाधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर सभी शेष पात्र महिलाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार हॉट कुक्ड मील योजना के तहत 685 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 254 को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं।

फास्ट ट्रैक

साइबर क्राइम न हो इसके लिए क्या क्या करें उपाय- इंस्पेक्टर योगेंद्र

भारत संवाद

वाराणसी ब्यूरो। दिनांक 3 सितंबर 2025 को प्रभारी निरीक्षक थाना चोलापुर योगेंद्र प्रसाद तथा थाने की साइबर क्राइम टीम के उपनिरीक्षक राहुल यादव तथा थाना चोलापुर की पूरी क्राइम टीम के साथ थाना चोलापुर में स्थित आदर्श राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान चोलापुर वाराणसी में साइबर क्राइम जागरूकता के संबंध में इस प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों अध्यापक तथा अध्यापिकाओं सभी को साइबर क्राइम कैसे घटित होता है तथा साइबर क्राइम ना हो इसके लिए क्या-क्या उपाय किए जाने चाहिए सहित साइबर क्राइम के हो जाने पर कैसे और कहां सूचना दी जाए इस हेल्पलाइन नंबर 1930 से भी भली भांति सभी को अवगत कराते हुए जागरूक किया गया।

मूसलाधार बारिश के बीच नगरायुक्त ने किया काशीराम कॉलोनी का निरीक्षण

नगरायुक्त ने दिए काशीराम कॉलोनी में जल निकासी के लिए नाला निर्माण के निर्देश

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज मूसलाधार बारिश के बीच दिल्ली रोड स्थित काशीराम कॉलोनी का निरीक्षण किया। उन्होंनें वहां जलभराव देखकर जल निकासी और स्थायी समाधान के लिए निर्माण विभाग को नाला निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने जलकल विभाग को पुरानी पाइप लाइनों को चैक कराकर बदलने तथा कॉलोनी में शुद्ध पेयजल के लिए आर ओ फिल्टर प्लांट लगाने के भी निर्देश दिए। मूसलाधार बारिश के बीच करीब तीन बजे नगरायुक्त शिपू गिरि अपर नगरायुक्त मृत्युंजय सहित नगर निगम अधिकारियों की टीम के साथ दिल्ली रोड स्थितकाशीराम कॉलोनी पहुंचे। क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी व अधिवक्ता विपुल पंवार ने जलभराव की स्थिति दिखाते हुए नगरायुक्त को बताया कि कॉलोनी से कहीं भी जल निकासी का रास्ता नहीं है, छोटी नालियों में कूड़ा कचरा भर एकत्रित कॉलोनी वासियों ने एक स्वर में जल निकासी का इंतजाम कराने पर जोर दिया। इस पर नगरायुक्त ने नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह व क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक अमर ज्योति को नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने नो हेलमेट-नो फ्यूल विशेष के सफल क्रियान्वयन के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

30 सितम्बर तक चलेगा विशेष अभियान

डोली शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। आयुक्त मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह ने 30 सितम्बर तक संचालित विशेष अभियान नो हेलमेट-नो फ्यूल विशेष के सफल क्रियान्वयन के संबंध में मण्डल के सभी जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन व प्रवर्तन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।मण्डलायुक्त ने कहा कि नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान जन सुरक्षा व सड़क सुरक्षा की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मोटरवाहन अधिनियम 1988 की धारा 129 द्वारा दो पहिया वाहन एवं पिलियन के लिए हेलमेट अनिवार्य है और धारा 194 डी इसके उल्लंघन पर अर्थ दण्ड निर्धारित करती है। उन्होंने बताया कि मा0 सर्वोच्च न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति द्वारा भी हेलमेट अनुपालन को प्राथमिकता देने के लिए राज्यों को निर्देशित किया है। अतः निर्दिष्ट किया जाता है कि अपने-अपने जिलों जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से अभियान को संज्ञान में लेकर समन्वित रूप से संचालित कराते हुए नो हेलमेट-नो फ्यूल व्यवस्था को कड़ाई से स्थाई रूप में लागू कराते हुए अनुपालन आख्या भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

आयुक्त संगीता सिंह ने बाढ़ग्रस्त ग्रामों का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन सतर्क, आयुक्त ने टप्पल मण्डी में राहत इंतजामों की समीक्षा की

महाराजगढ़ में पहुंचीं आयुक्त, ग्रामीणों की सुनी समस्या

प्रवीन कु शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। आयुक्त अलीगढ़ मण्डल श्रीमती संगीता सिंह ने बुधवार को तहसील खैर के टप्पल क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित ग्राम महाराजगढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित होने वाले गाँव महाराजगढ़, शेरपुर, ऊंटासानी, मिजार्पुर, पखोदना, नगला चण्डी, नगला रामस्वरूप, नगला अमर सिंह, घरवरा, लालपुर का निरीक्षण कर स्थानीय हालातों की जानकारी ली। आयुक्त ने नदी किनारे व निचले इलाकों में रह रहे ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक राहत व बचाव कार्यों की जानकारी की। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपदा की स्थिति में ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम खैर सहित राजस्व, सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन, लोनिवि व पुलिस प्रशासन सहित ओखला बैराज के अधिकारियों के साथ बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में बनाए गए राहत शिविरों, नावों की उपलब्धता, पशुओं के लिए चारे और दवाइयों की व्यवस्था के बारे में भी जाना। एसडीएम खैर शिशिर सिंह ने बताया कि क्षेत्र में दो बाढ़ चौकियां मण्डी टप्पल एवं किसान इंटर कॉलेज पखोदना में स्थापित की गई हैं। एनडीआरएफ की टीम आ चुकी है। पीएसी की टीम पहले से ही मुस्तैद है। आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ ने एसडीएम को निर्देशित किया कि राजस्व टीम के द्वारा जमीनी स्तर पर सर्वे कराते हुए नुकसान का सही-सही आगलन सुनिश्चित किया जाए। ग्रामों में गर्भवती महिलाओं एवं सैम बच्चों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य टीम को निर्देशित किया गया कि आवश्यक औषधियों की किट तैयार कर जरूरतमंदों को वितरित की जाए। एमओआईसी ने बताया कि स्टॉक में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध हैं और सीएचसी पर 50 बेड की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। गाँव महाराजगढ़ के किसान रामवीर सिंह ने कहा कि हमारी फसलें पानी में डूबने की कगार पर हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा समय रहते मदद पहुँचाई जा रही है। नाव और राहत सामग्री मिलने से हमें काफी राहत मिली है। राजकुमारी देवी ने बताया, पहली बार किसी वरिष्ठ अधिकारी ने गाँव आकर हमारी समस्याओं को गंभीरता से सुना है। अब हमें भरोसा है कि प्रशासन हमें सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाएगा। आयुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ग्रस्त गांवों में किसी भी स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में ढिलाई

अभी दूर घर है

तवील और कितना अभी यह सफर है,
अभी दूर घर है, अभी दूर घर है।

यहाँ शाम तो दिख रही है, मगर घर
न आता नजर है, न आता नजर है।

बहुत भेड़िये आ गये बस्तियों में,
हर इक ओर डर है, हर इक ओर डर है।

मयस्सर न फल हो, न छाया किसी को,
वो क्या ही शजर है, वो क्या ही शजर है!

सियासत का खिदमत से क्या वास्ता है!
वो व्यापार-भर है, वो व्यापार-भर है।

घनश्याम अवस्थी,
गोण्डा (उ० प्र०)

अब वीजा, टूर और काम की सेवाएँ एक ही छत के नीचे

भारत संवाद

अब हज-उमराह, विदेश में नौकरी, वीजा और टूर पैकेज जैसी सभी जरूरतों का एक ही भरोसेमंद समाधान उपलब्ध है। Worldwide Tour & Travel Agencies ने यात्रियों और नौकरी चाहने वालों के लिए विशेष सेवाएँ शुरू की हैं।

एजेंसी द्वारा हज-उमराह की संपूर्ण व्यवस्था, गल्फ देशों के लिए वर्क वीजा, पढ़ाई और यात्रा से जुड़ी वीजा-इमिग्रेशन सहायता, आधिकारिक वकाला सेवा, कंस्ट्रक्शन लेबर सप्लाई तथा सस्ती दरों पर एयर टिकट और आकर्षक टूर पैकेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

10 साल से अधिक अनुभव के साथ एजेंसी ने अब तक 5000 से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीता है। तेज और पारदर्शी प्रक्रिया, किफायती दरें और हर स्टेप पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन इसकी खासियत है।

कॉल/व्हाट्सएप: +91-9005349992

थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया।आज 03.09.2025 को उप-निरीक्षक सुशील कुमार मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी अनिल उर्फ रिंकू पुत्र लल्लू निवासी रेक्शाखुर्द थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार

थाना हलिया पुलिस द्वारा खोये हुए 02 अदद मोबाइल फोन को बरामद कर उनके स्वामियों को किया गया सुपुर्द

भारत संवाद

दिनांक 29.07.2025 को आवेदिका प्रमिला पत्नी राहुल कुमार गुप्ता निवासी गड़बड़ा गोकुल थाना डूमंडगंज जनपद मीरजापुर का वीवो मोबाइल गड़बड़ा धाम में खो जाने तथा दिनांक 07.05.2025 को आवेदक राजकुमार मिश्रा पुत्र स्व0सियाराम मिश्र निवासी ग्राम देवरी थाना हलिया जनपद मीरजापुर(दिव्यांग) का ओप्पो कम्पनी का मोबाइल फोन देवरी बाजार चौराहे पर कहीं खो गया था ।

डीएम ने पेट परीक्षा-2025 को सकुशल संपादित कराने के लिए की बैठक

जिले में 06 व 07 सितम्बर को दो पालियों में 37 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा, 74304 परीक्षार्थी पंजीकृत

भारत संवाद

अलीगढ़ 03 सितंबर 2025 (सू0वि0): उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अहर्ता परीक्षा-2025 शनिवार 06 सितम्बर एवं रविवार 07 सितम्बर को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने के लिए जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट में बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा दोनों तिथियों को दो पालियों प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक और अपराह्न 03 बजे से 05 बजे तक में संपन्न होगी। 74304 परीक्षार्थियों के लिए 37 परीक्षा केन्द्र स्थापित किये गये हैं। परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 37 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 37 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस प्रशासन की तैनाती की गई है। जबकि 10-10 सेक्टर मजिस्ट्रेट व स्टैटिक मजिस्ट्रेट रिजर्व में रखे गए हैं।मुख्य व्यवस्थाएँ:प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मजिस्ट्रेट, पुलिस बल एवं पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। प्रश्नपत्रों की गोपनीय सामग्री सुरक्षित रूप से निर्धारित समय पर कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक पहुँचाई जाएगी।

टीचर्स डे के अवसर पर, फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक और सीईओ, और लाखों छात्रों के शिक्षक, आलख पांडे ने अपने गृहनगर प्रयागराज के एक सरकारी स्कूल - राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कटरा का दौरा किया

भारत संवाद

प्रयागराजः उन्होंने स्कूल की बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानने के बाद यह कदम उठाया। सुरक्षित पेयजल की सुविधा की कमी, बार-बार बिजली कटना, स्कूल की प्रयोगशाला का न होना जैसी चुनौतियों के बावजूद, शिक्षक और छात्र अद्भुत धैर्य के साथ अपनी सीखने की यात्रा जारी रखे हुए थे। उनकी इस भावना से प्रभावित होकर, आलख सर ने तुरंत अपनी टीम को स्कूल की जरूरी जरूरतों को पूरा करने के निर्देश दिए, जिनमें वाटर कूलर लगवाना, कक्षाओं में पंखे लगाना, बैकअप पावर के लिए इन्वर्टर की व्यवस्था करना, एक विज्ञान प्रयोगशाला बनवाना और अन्य सुविधाएं शामिल थीं। बुनियादी ढांचे से परे, उन्होंने पीडब्ल्यू के नवीनतम शैक्षणिक नवाचार पाई बॉक्स (PI Box) को भी प्रस्तुत किया, जो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह का इमर्सिव लर्निंग अनुभव देने का एक समाधान है। पीडब्ल्यू की टीम द्वारा विकसित यह पाई बॉक्स (PI Box) किसी भी टेलीविजन या स्क्रीन को एक स्मार्ट, ऑफलाइन, इंटरैक्टिव लर्निंग हब में बदल देता है। इसे कम संसाधनों वाले वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली, व्यक्तिगत शिक्षा पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के लिए उपयोगी है। यह पाई बॉक्स (PI Box), जिसमें पीडब्ल्यू के कक्षा व्याख्यानों की शैक्षणिक सामग्री पहले से उपलब्ध है, न केवल छात्रों को उनके नियमित पाठ्यक्रम में मदद करेगा बल्कि उन्हें जेईई (JEE), नीट (NEET) आदि जैसे कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र चाहें तो इंटरनेट से जोड़कर किसी अन्य शैक्षणिक प्लेटफॉर्म या ऐप से भी सीख सकते हैं। दौरे के दौरान आलख सर ने छात्रों से सीधे संवाद किया और उनके सपनों व आकांक्षाओं के बारे में पूछा। उन्होंने छात्रों को उनके लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रेरित किया, खासकर लड़कियों को उन्होंने अपनी शिक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों से आत्मविश्वास व दृढ़ निश्चय के महत्व पर जोर देते हुए कहा, आपकी शुरूआत आपकी मंज़िल को तय नहीं करती। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीक किस तरह सीखने के परिणामों को बदलने में बड़ा सहायक बन सकती है और चर्चा की कि पीडब्ल्यू देशभर में ऐसे और स्कूलों की मदद करने की दिशा में कैसे काम करेगा। यह दौरा फिजिक्सवाला के उस मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें तकनीक, सहानुभूति और जमीनी स्तर की कार्रवाई के संयोजन से, विशेष रूप से वंचित समुदायों में, शिक्षा की खाई को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 25/42 दिनांक : 02.09.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
38253125	स्ट्रिंगर (इनर) फॉर बीओएक्सएनएचएल वैगन	5832 नग	23.09.2025
30251664	हेंगर फॉर बोल्स्टर स्प्रिंग सस्पेंशन	6683 नग	08.10.2025
6325RC02	दिस इस टेंडर टू इंटर इनटू रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ इलास्टिक रेल क्लीप MK-V ड्रग नं0 आरडीएसओ टी-5919	1,60,07,248.00 Nos.	25-Sep-25

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 1586/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./25-26/05 दिनांकः 02.09.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 24.09.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.: टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-07-25-26	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 46,83,459.52
कार्य का विवरणः कार्य अनुसूची एवं रेलवे सामग्री के साथ दो वर्षों के लिए CPOH कार्यशाला के विभिन्न उपकरणों का रखरखाव करने के लिए 02 कुशल और 04 अकुशल श्रमिकों के साथ आवश्यक औजार और यदि आवश्यक हो तो सामग्री प्रदान करना का कार्य।	
बयाना राशि (रू.): ₹ 93,700.00	निविदा प्रपत्र की लागत (रू.): निल
कार्य समापन की अवधिः 24 माह	निविदा खुलने की तिथिः 24.09.2025
पात्रता मानदंड के लिए समान कार्यः निल	

नोटः- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे एवं 11:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (6) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। (7) निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। (8) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (9) आन लाइन निविदा दिनांक 24.09.2025 को समय 15.00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 1592/25 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 20/2025 दिनांक 01.09.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या : 19256986	मात्रा : 01 नग	ई.म.डी.रू. : 134250/-

विवरण : 5 टन क्षमता वाले डीजल हाइड्रोलिक रेल क्रेन का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग, जिसे बीएफआर/बीसीएन ब्रॉड गेज वैगन पर लगाया जाएगा। पूर्ण विवरण पीडीएफ में संलग्न है।

निविदा खुलने की तिथि : 25.09.2025

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1582/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा संवाद वेब आफ्सेट, ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा । फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

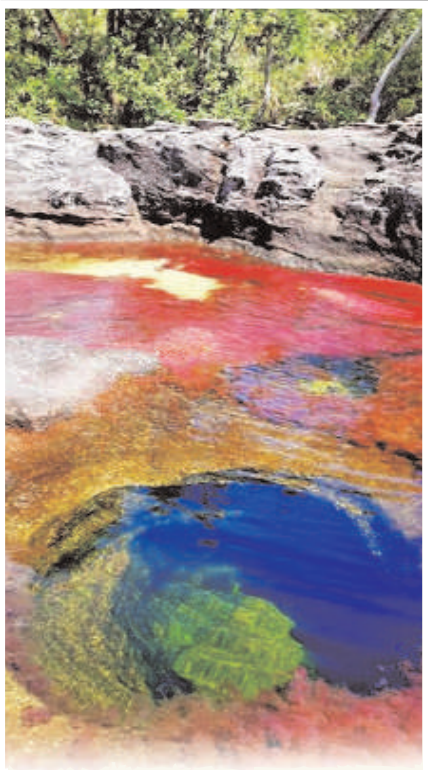

कोलंबिया की रिवर ऑफ फाइव कलर्स अपने रंगीन पानी से कर रही है लोगों को हैरान

कोलंबिया में बहने वाली एक सुंदर नदी है, जिसका नाम है कैनो क्रिस्टल्स। दूर से देखने में रंगों के पैलेट समान दिखने वाली इस इंद्रधनुषीय नदी की खूबसूरती के कारण इसे 'दैवीय बगीचा' कहकर भी पुकारा जाता है। कैनो क्रिस्टल्स नदी सिर्फ कोलंबिया ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को अपनी अनोखी खासियत से हैरान कर देती है। दरअसल, इस नदी में पांच अलग-अलग रंगों का पानी बहता है। पीला, हरा, लाल, काला और नीला रंग। पचरंगी पानी की वजह से नदी को 'रिवर ऑफ फाइव कलर्स' के नाम से भी पुकारा जाता है। इसके अलावा इसे 'लिक्विड रेनबो' भी कहते हैं। इसकी खूबसूरती को सराहने का सबसे बेहतरीन समय जून से लेकर नवंबर तक का है। इस दौरान सैलानी कोलंबिया का रूख करते हैं और नदी के नजारे का लुत्फ उठाते हैं। नदी के बदल रहे पानी की असली वजह कोई जादू या चमक नहीं है। इसकी असली वजह नदी के बीच उगने वाले पौधे हैं। इस खास पौधे का नाम 'मैकेरेनिया क्लेविगरा' है। इस पौधे की वजह से ही पूरी नदी का पानी रंगीन लगता है। इसके पीछे का विज्ञान ये है कि पानी की तलहटी में मौजूद पौधे पर सूरज की रोशनी पड़ते ही पानी का रंग लाल हो जाता है। धीमी और तेज रोशनी के हिसाब से पौधे की अलग-अलग आभा पानी के रंग पर झलकती रहती है।

सैर कर दुनिया की गाफिल, जिंदगानी फिर कहां... जिंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहां... ख्वाजा मीर दर्द का ये शेर सैर-सपाटे की अहमियत हमें बताता है। मशहूर लेखक राहुल सांकृत्यायन ने तो बाकायदा अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा के नाम से लेख ही लिख डाला था। उनका कहना था कि मेरी समझ में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वस्तु है घुमक्कड़ी। नई-नई जगहों के बारे में जानना और घूमना हमेशा ही एक अच्छा शौक माना गया है। कुछ लोगों के इसी शौक की वजह से हमें ऐसी जगहों की जानकारी भी मिल जाती है, जहां हरेक का जाना संभव नहीं है। तो चलिए आपको घुमा लाते हैं कनाडा की डॉसन सिटी।

कनाडा की डॉसन सिटी

जहां नदी में पानी के साथ-साथ बहता है सोना

कनाडा की डॉसन सिटी उन्हीं जगहों में से एक है जो करीब सौ सालों से घुमक्कड़ों को अपनी ओर खींच रही है। शायद इसलिए भी कि यहां अमीर होने का मौका मिल जाता है। अमीर बनने की बात सुनकर यकीनन आपके दिल में भी इस जगह के बारे में जानने की ख्वाहिश जगी होगी। जैसा कि हमने आपको बताया कि डॉसन सिटी कनाडा में दूरदराज का एक शहर है। इसकी आबादी बहुत कम है और ये क्लोह्यह्यनडाइक नदी के किनारे बसा है। कहा जाता है कि इस नदी की तलहटी में सोना बिछा पड़ा है। 1896 में जॉर्ज कार्मेक, डॉसन सिटी चार्ली और स्कूकम जिम मेसन ने सबसे पहले इस नदी में सोना होने की बात बताई थी। जैसे ही नदी में सोने की खबर फैली इस शहर में लोगों का, खास तौर से सोना खोजने वालों का रेला लग गया। 1898 में इस शहर की आबादी महज 1500 थी जो कि रातों रात बढ़ कर तीस हजार हो गई। आज यहां की आबादी में खान में काम करने वाले हैं, कुछ कलाकार हैं, और कुछ वो लोग हैं जो खुद को इस शहर का मूल नागरिक बताते हैं। डॉसन सिटी के मेयर वेन पोटोरका का कहना है कि इस शहर की हमेशा से ही एक अलग पहचान रही है। यहां तरह तरह के लोग रहते हैं जो इस इलाके की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इसे कनाडा के दीगर शहरों से हटकर एक अलग पहचान दिलाते हैं। डॉसन सिटी, ओगिल्वी पहाड़ों से घिरा हुआ है जो करीब दो हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है। ये पहाड़ इस इलाके को खूंखार जंगली जानवरों से बचाता है। अगर आप क्लॉडिंग हाई-वे से जाना चाहते हैं तो व्हाइटहॉर्स से यहां तक पहुंचने में करीब सात घंटे का समय लगेगा। हाईवे की लंबाई करीब 533 किलोमीटर है। यूकॉन इलाका कनाडा का सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इस इलाके की ज्यादातर आबादी वाइटहॉर्स में बसी है। वाइटहॉर्स

अलास्का, ब्रिटिश कोलंबिया और नॉर्थ वेस्ट के इलाकों से सटा हुआ है। डॉसन सिटी तक पहुंचने में आपको बहुत तरह के खूबसूरत कुदरती नजारे देखने को मिल सकते हैं। हर साल बड़ी तादाद में लोग डॉसन सिटी घूमने आते हैं। कुछ यहां कुदरत के खूबसूरत और दिलकश नजारे देखने आते हैं, तो कुछ यहां अमीर बनने की चाह में आते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग मेहनत भी खूब करते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग कई दशकों से इसी काम में लगे हैं। सोने की इस नदी के पास जमी रेत को बालटियों में इकट्ठा करते हैं, फिर उसे कई कई बार छानते हैं। नदी के पानी को छोटे-छोटे बर्तनों में रखकर जमाया जाता है। फिर इस बर्फ से सोने के टुकड़ों को अलग किया जाता है। सोने के ये टुकड़े कई शक्ल में होते हैं। ये मोतीनुमा भी हो सकते हैं, पतले छिलके के रूप में भी हो सकते हैं या फिर गुच्छे के आकार के भी हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सोने के ये टुकड़े हर बार ही मिल जाएं। बहुत मेहनत के बाद कुछ टुकड़े ही हाथ लग पाते हैं। सोना तलाशने के लिए यहां कोई रोक टोक नहीं है। कोई भी खुदाई करके यहां सोना तलाशने का काम कर सकता है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यहां जमीन के टुकड़े खरीद लेते हैं, ताकि उस जगह से निकलने वाले सोने पर उनका ही हक रहे और कोई दूसरा वहां आकर खुदाई का काम ना कर सके। वो इस इलाके में मशीने भी लगा सकते हैं। हालांकि पिछली एक सदी से सोने के दामों में अक्सर ही उतार चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

आज की तारीख में चाय के एक चम्मच के बराबर का सोना 1300 डॉलर के हिसाब से बिकता है। डॉने मिशेल, डॉसन सिटी में साल 1977 में आई थीं। वो सोना निकालने का काम करती हैं। उन्हें हमेशा से ही अलग-अलग जगहों के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। वो नई नई जगहों के बारे में जानकारी हासिल करने को एक खास तरह का इल्म मानती हैं। जब मिशेल को उनकी किसी परिचित ने इस जगह के बारे में बताया तो वो खुद को रोक नहीं पाईं और पहुंच गईं सोना तलाशने। डॉने मिशेल आज यहां आने वाले सैलानियों को सोना निकालने का तरीका सिखाती हैं।

डॉने मिशेल यहां खदान मजदूरों के साथ केबिन में रहती हैं। पास के चश्मे के पानी से अपनी प्यास बुझाती हैं और उसी के पानी से खाना बनाती हैं। हालांकि डॉसन सिटी आने से पहले उन्हें सोना निकालने का कोई तजुर्बा नहीं था। लेकिन, यहां रहते हुए उन्होंने ये हुनर सीख लिया और अब दूसरों को भी सिखा रही हैं। मिशेल कहती हैं उनकी जिंदगी बहुत आराम से गुजर रही है। वो पास के शहर में हर रोज काम के लिए जाती हैं और छुट्टी के दिन मजे से सोना तलाशती हैं या फिर आस पास के पहाड़ों में कुदरती नजारों का लुत्फ उठाती हैं। हालांकि वो अपने दोस्तों और रिश्तोंदारों से मीलों दूर रहती हैं, लेकिन कभी भी अपने घर की कमी का अहसास नहीं होता।

मिशेल को लगता है ये इलाका ही उनका घर है। मिशेल के मुताबिक एक इलाके की खुदाई पर खदान मजदूरों को काम करने की इजाजत तभी मिल पाती है जब उस इलाके का मालिक या तो मर जाता है या फिर वो अपनी खुशी से कुछ को काम करने की इजाजत देता है। यहां खदान मजदूर एक समुदाय की तरह से काम करते हैं। मिशेल को साल 1981 में पहली बार सोने की खदान में काम करने का मौका मिला था और तभी से वो इस समुदाय का हिस्सा बन गईं। साल 1984 में डॉसन सिटी में वुमेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ गोल्ड का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में मिशेल कामयाब हुईं।

कुछ सालों बाद यूकॉन ओपन गोल्ड पैनिंग का मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में उनका सामना अपने ही साथियों लोगों से था। मिशेल उन सभी को खदान में काम करने के दिनों से जानती थीं। वो सभी अपने काम में माहिर थे। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में मिशेल ही एक अकेली महिला थीं जिन्हें तमाम मर्दों से लोहा लेना था। दिलचस्प बात ये थी कि वो इस मुकाबले में भी कामयाब रहीं और यूकॉन ओपन का खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं। कई सालों तक मिशेल इसी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेती रहीं। बाद में वो कई महिला खदान मजदूरों की कोच बन गई हैं। फिलहाल वो जैक लंदन म्यूजियम में इंटरप्रेटर के तौर पर काम कर रही हैं। साथ ही अपने अनुभव भी लोगों से साझा करती हैं। डॉसन सिटी में सोने की खुदाई का काम हमेशा से ही बड़े पैमाने पर होता रहा है। आज भी यूकॉन की 196 माइनिंग साइट में से 124 सिर्फ डॉसन सिटी में हैं। बोनांजा क्रीक डिस्ट्रिक्ट जो गोल्ड रश की मूल साइट है, वहां आज भी सबसे ज्यादा खदाने हैं। मिशेल के मुताबिक यहां सोने की खुदाई का काम अभी लंबे समय तक चलेगा। लोग इसी तरह यहां आते रहेंगे। हो सकता है, आप यहां गर्मी का एक मौसम गुजारने के इरादे से आएं, लेकिन कोई हैरत नहीं होगी अगर आप यहां तमाम उम्र के लिए बस जाएं. क्योंकि इस जगह में कशिश ही कुछ ऐसी है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम, घूमने में लग जाते हैं कई दिन

दुनिया के सबसे बड़े म्युजियम के बारे में क्या आप जानते हैं? शायद ही जानते होंगे आप। हम आज आपको उसी म्युजियम के बारे में बताने जा रहे है।

आप कभी न कभी म्यूजियम में घूमने तो गए ही होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में सबसे बड़ा म्यूजियम कहां पर है। अगर नहीं तो हम आपको बताते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम फ्रांस के पेरिस में है। इस म्यूजियम का नाम मुसी डू लौवर है। यह म्युजियम काफी पुराना भी है। इसी म्युजियम में मोनालिसा और वीनस डी मीलो की फेमस पेंटिंग रखी हुई है। यह म्युजियम इतना बड़ा है कि आप इसे एक दिन में नहीं देख पाएंगे। इसे घूमने के लिए कई दिन लग जाते हैं।

फ्रांस के पेरिस में है यह म्युजियम

इस म्युजियम को पूर्व शाही महल में 1793 में खोला गया था। उस वक्त इस म्युजियम में 537 ड्रॉइंग की एक एग्जिबिशन लगाई गई थी। यह म्युजियम 60600 स्क्वायर फीट में है और यह सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा देखे जाने वाला और सबसे अमीर म्युजियम है। इस म्युजियम को देखने के लिए साल 2022 में 90 लाख लोग पहुंचे थे। इसमें 8 क्यूरेटोरियल विभाग हैं। इनका नाम मिस्र के पुरावशेष, पूर्वी पुरावशेषों के पास, ग्रीक, इट्रस्केन, रोमन पुरावशेष, इस्लामी कला, मूर्तिकला और सजावटी कला। इनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं रखी गई हैं। ज्यादातर पर इसमें प्राचीन मूर्तियां, एंटिक आर्ट, ड्राइंग, पेंटिंग्स और पुरातात्विक खोज में मिली वस्तुएं रखी गई हैं।

म्युजियम में 24 घंटे रहती है हाई सिक्योरिटी

इस म्युजियम की सुरक्षा के लिए हजारों सुरक्षाकर्मी हमेशा तैनात रहते हैं। इनके हाथों में आधुनिक हथियार होते हैं। कोई भी चोर इस म्युजियम से कुछ भी चुराने से पहले 10 बार सोचेगा।

चीन ने दिखाई अंतरिक्ष में हमला करने वाली मिसाइल

बिना पायलट के उड़ने वाला फाइटर जेट, पानी के अंदर चलने वाला ड्रोन

एजेंसी

बीजिंग, चीन आज अपना 80वां विक्ट्री डे मना रहा है। इस मौके पर राजधानी बीजिंग में देश की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड का आयोजन किया गया। इसमें अंतरिक्ष में हमला करने वाली मिसाइल, बिना पायलट के उड़ने वाला फाइटर जेट, पानी के अंदर चलने वाला ड्रोन समेत कई आधुनिक इक्यूपमेंट शामिल है। परेड में 100+ हथियार, 45+ सैन्य टुकड़ियां और 100+ विमान देखे गए। इनमें से कई हथियार पहली बार दुनिया के सामने आए। इन हथियारों की खास बात ये है कि इनमें से ज्यादातर स्वदेशी हैं। शी जिनपिंग ने अपने भाषण में कहा कि- ये हथियार और विमान चीन की सैन्य ताकत और बेहतर टेक्नालॉजी को दिखाते हैं। चीन ने अपनी विजय दिवस परेड में पहली बार टाइप 99बी मेन बैटल टैंक पेश किया। यह टाइप 99 सीरीज का नवीनतम तीसरी पीढ़ी का टैंक है। ये टाइप 99बी का अपडेटेड वर्जन माना जा रहा है। इसे 2001 से पीएलए में शामिल किया गया है। अब

तक 1300 से ज्यादा टाइप 99 और 99ए टैंक बनाए जा चुके हैं। चीन ने अपनी विजय दिवस परेड में पीएचएल-16 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर दिखाया। इसे पीसीएल-191 भी कहा जाता है। इसे अमेरिका के हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम का जवाब देने के लिए बनाया गया है। इसे ताइवान ने 2023 में अमेरिका से खरीदा और तैनात किया था। ढलछ-16 को नॉरिन्को ने बनाया है और यह चीन का सबसे बेहतर रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है। पीएचएल-16 को पहली बार 2019 में नेशनल डे परेड में दिखाया गया था। परेड में पहली बार चीन के दो बड़े पानी के अंदर चलने वाले ड्रोन दिखाए गए। दूसरा ड्रोन लंबाई में तो लगभग उतना ही है, लेकिन यह ज्यादा चौड़ा है, करीब 2 से 3 मीटर। इसका नाम और तस्वीर अभी सामने नहीं आई है। इस पर दो मस्तूल लगे हैं, जबकि एजेएक्स002 पर कोई मस्तूल नहीं है। विश्लेषकों का मानना है कि इन्हें टॉरपीडो या माइंस से लैस किया जा सकता है, या फिर ये सिर्फ निगरानी (रेकी) के काम आ सकते हैं। इसमें 'एक्स' आकार के रडर और दो मास्ट हैं, जो इसे एजेएक्स002 से अलग बनाता है। चीन का एक्सएलयूयूवी कार्यक्रम दुनिया में सबसे बड़ा है, जिसमें कम से कम पांच प्रकार के ड्रोन पहले से ही टेस्टिंग में हैं। ये मिसाइलें चीन की नौसैन्य ताकत को बढ़ाने वाली उन्नत हथियार प्रणालियां हैं, जिन्हें विशेष रूप से जहाजों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये मिसाइलें ताइवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना और उसके सहयोगियों के लिए चुनौती के रूप में काम करेगी। चीन ने पहली बार एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल (एबीएम) प्रणाली, एचक्यू-29 पेश किया है। इसे चीन की तीन-स्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली का शीर्ष हिस्सा माना जा रहा है। यह एक उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) और सैटेलाइट-विरोधी (एएसएटी) हथियार प्रणाली है, जिसे चीनी सोशल मीडिया पर लीक हुए वीडियो में देखा गया है। चीन की विजय दिवस परेड में चार प्रकार के केरियर बेस्ड एयरक्राफ्ट दिखाए किए गए। जे-15टी, जे-15डीएच, जे-15डीटी और जे-35 को पूरी तरह से चीन ने स्वदेशी तकनीक से विकसित किया है।

ये चीन की नौसेना योजना) के लिए विकसित केरियर बेस्ड फाइटर जेट हैं, जो उनके लियाओनिंग, शेडोंग, और फुजियान जैसे विमान वाहक पोतों की क्षमताओं को बढ़ाते हैं चीन की विजय दिवस परेड में सी जे-1000 लंबी दूरी की हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल को दिखाया गया।

पुतिन के सामने फिर इयरफोन नहीं लगा पाए पाकिस्तानी पीएम

रूसी राष्ट्रपति ने सिखाया, 3 साल पहले भी ऐसी गलती कर चुके शहबाज

एजेंसी

तियानजिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच मुलाकात का वीडियो एक बार फिर से वायरल है। पुतिन से बात करते वक्त शरीफ अपना इयरफोन ठीक से नहीं लगा पाए। यह वाकया मंगलवार को बीजिंग में पुतिन से मुलाकात के दौरान हुआ। उन्होंने शरीफ को इयरफोन पहनने का तरीका समझाने की कोशिश की। इस दौरान वे मुस्कुराते भी नजर आए। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें शहबाज शरीफ के कानों से ट्रांसलेशन इयरफोन बार-बार फिसल रहा है, वह उनसे लग नहीं पा रहा। इसके बाद, पुतिन अपना हेडसेट

उठाकर उन्हें पहनने का तरीका दिखाने की कोशिश करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब शरीफ, पुतिन के सामने इयरफोन नहीं पहन पाए। ठीक 3 साल पहले भी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट के दौरान ही ऐसा हुआ था। साल 2022 में उज्बेकिस्तान में एससीओ समिट से इतर रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ शरीफ द्विपक्षीय बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्हें अपने इयरफोन को एडजस्ट करने में दिक्कत आ रही थी। जब चर्चा शुरू हुई तो उनका हेडफोन बार-बार फिसल रहा था। हालांकि, इसे ठीक करने की कोशिश की गई लेकिन ये समस्या कुछ समय तक बनी रही, शहबाज के साथ दिक्कतों को देखकर पुतिन को हंसी आ गई थी। इसी साल तियानजिन में हुई एससीओ समिट शरीफ, पुतिन का ध्यान आकर्षित करने और उनसे हाथ मिलाने के लिए भी आतुर देखे गए थे। 31 अगस्त को एससीओ समिट की औपचारिक फोटो सेशन के बाद पुतिन और जिनपिंग साथ-साथ बाहर निकले। तभी पीछे से अचानक पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ आगे आए और पुतिन की ओर हाथ बढ़ा दिया। जिनपिंग ने इसे इग्नोर कर दिया, लेकिन फिर पुतिन वापस लौट कर शरीफ से हाथ मिलाया। पाक पीएम ने भारत-रूस दोस्ती की तारीफ की शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान भारत और रूस के रिश्तों का सम्मान करता है, लेकिन साथ ही मास्को के साथ मजबूत रिश्ते भी बनाना चाहता है। शरीफ ने पुतिन को शानदार नेता बताया और उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। इसके बाद शहबाज शरीफ और पुतिन दोनों चीन में आयोजित एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल हुए।

यह दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार की 80वीं सालगिरह पर आयोजित की गई थी। पुतिन ने बीजिंग में कई राजनयिक बैठकों में हिस्सा लिया और इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से भी मुलाकात की।

ट्रम्प बोले- भारत का अमेरिका से एकतरफा रिश्ता

उन्होंने 100% टैरिफ लगाया, वे हमसे व्यापार कर रहे थे, क्योंकि हमने चार्ज नहीं वसूला

एजेंसी

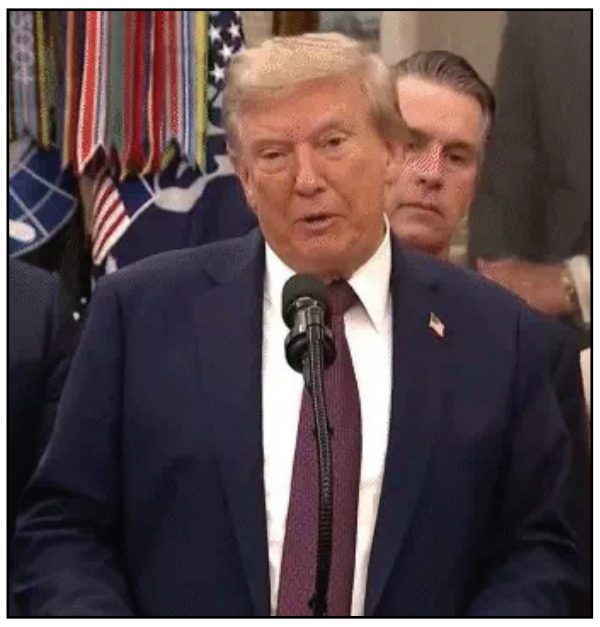

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत पर 50% टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि लंबे समय तक दोनों देशों के बीच एकतरफा रिश्ता था। एक प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने कहा कि भारत, अमेरिकी सामानों पर 100% टैरिफ लगाता है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से अमेरिका और भारत के व्यापार में असंतुलन पैदा हो गया है।

ट्रम्प ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिकी कंपनी हार्ले डेविडसन भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत ने 200% टैरिफ लगाया हुआ था। इस वजह से कंपनी ने भारत में ही एक प्लांट बनाया, जिससे अब उसे टैरिफ नहीं देना पड़ता। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 50% टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक तनाव बढ़ा है और इसके साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत को 25% एक्स्ट्रा टैरिफ झेलना पड़ रहा है। ट्रम्प ने फिर से अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए इसे जंग सुलझाने वाला हथियार बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति की वजह से अमेरिका को बातचीत की बेहतरीन ताकत मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को बातचीत के लिए एक जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं। ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया की रीढ़ है और उनके पहले चार सालों में उन्होंने इसे बेहद मजबूत बनाया था, लेकिन बाइडेन प्रशासन ने इसे कमजोर कर दिया, लेकिन अब उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे ताकतवर बन गया है। ट्रम्प ने दावा किया कि ज्यादा टैरिफ की वजह से कई कंपनियां अमेरिका के बाहर उत्पादन करती हैं। लेकिन उनकी नीतियों की वजह से हालात बदल रहे हैं और अब हजारों कंपनियां अमेरिका में आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि कई कार कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से आकर अमेरिका में फैक्ट्री बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 3 बड़ी वजहें हैं। कंपनियां अमेरिका में रहना चाहती हैं, टैरिफ उन्हें सुरक्षा देते हैं और यहां निर्माण करने से उन्हें एक्स्ट्रा टैक्स नहीं देना पड़ता।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद है और यही वजह है कि उन्होंने भारत पर कड़ा टैरिफ लगाया।

ट्रम्प ने यह भी साफ कर दिया कि वे भारत पर लगाए गए टैरिफ कम करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ट्रम्प ने पहले भारत के निर्यात पर 25% शुल्क लगाया था, लेकिन इसे बढ़ाकर 50% कर दिया गया। इसका असर अमेरिका को भेजे जाने वाले भारत के 55% से ज्यादा सामान पर पड़ा।

चीन से किम जोंग का झूठा गिलास ले गए बॉडीगार्ड्स

पुतिन से मुलाकात के बाद फिंगरप्रिंट भी मिटाए; सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा

एजेंसी

बीजिंग, नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने बुधवार को चीन का राजधानी बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। डेली मेल के मुताबिक, इस मुलाकात के बाद किम जोंग के गार्ड्स उनका झूठा गिलास अपने साथ ले गए। उन्होंने उस कुर्सी-टेबल को भी सावधानी से साफ कर दिया, जिस पर किम बैठ थे। रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने बताया कि मीटिंग के बाद कुर्सी, टेबल और आस पास की चीजों की

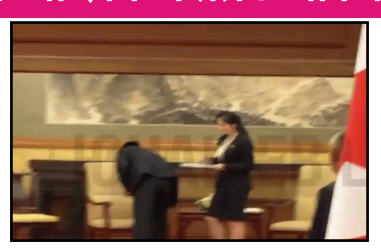

इस तरह साफ किया कि उन पर किम का कोई निशान नहीं छूट जाए। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि ये रूस या चीन की जासूसी से बचने की कोशिश हो सकती है या फिर किम अपनी हेल्थ की जानकारी छिपाना चाहते हैं। किसी नेता के फिंगर प्रिंट और मल-मूत्र से उसके डीएनए और हेल्थ से जुड़ी सीक्रेट जानकारी पता की जा सकती है। पत्रकार युनाशेव के मुताबिक, किम और पुतिन की मुलाकात अच्छी रही। दोनों नेता खुश थे और बाद में साथ में चाय पीने गए। किम ने पुतिन से कहा- अगर मैं रूस के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी। पुतिन ने उत्तर कोरिया को यूक्रेन में सैनिक भेजने के लिए शुक्रिया कहा। कोविड-19 के बाद किम जोंग का यह पहला चीन दौरा था। यहां उन्होंने पुतिन के साथ चीन की विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लिया। ट्रम्प और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में मुलाकात हुई थी। इस दौरान पुतिन के बॉडीगार्ड एक खास सूटकेस लेकर पहुंचे थे। इसे पूप सूटकेस कहा जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सूटकेस पुतिन के मल-मूत्र को इकट्ठा करने के लिए था। तब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके। फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है।

बिहार एनडीए: शाह की बैठक से पहले मांझी ने मांगी 20 सीट, सीट बंटवारे पर घमासान तय

एजेंसी

एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह सामने आती हुई दिखाई दे रही है। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कम से कम 20 सीटों पर मांग रख दी है। उन्होंने मीडिया से कहा कि आम जनता और हमारे कार्यकर्ताओं की मांग है कि हमें ऐसी सीटें चाहिए जो हमारी गरिमा बचा सकें। अगर एनडीए के दिल में हमारे लिए सहानुभूति है और वे हमारी पार्टी को मान्यता देना चाहते हैं, तो उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव में हमें कम से कम 20 सीटें देनी चाहिए।हालांकि, इससे पहले मांझी ने दावा किया था कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कम से कम 35-40 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के राज्य के शीर्ष नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बिहार भाजपा सूत्रों के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव की चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए आज दिल्ली में बैठक होने वाली है और पार्टी नेता चुनाव जीतने के लिए जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत करने हेतु अमित शाह से

जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए से 20 सीटों की मांग कर गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह बढ़ा दी है। इस राजनीतिक खींचतान के बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में बिहार भाजपा कोर कमेटी की अहम चुनावी रणनीति बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं।

मार्गदर्शन लेंगे। बिहार भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बिहार चुनाव की रणनीति पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन राज्य विधानसभा चुनाव में एनडीए की सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा। बिहार के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता ने एएनआई को बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जिस तरह से 'मतदाता अधिकार यात्रा' निकाली गई, उसका उद्देश्य बिहार की जनता को वोट चोरी के नाम पर गुमराह करना और दुनिया के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माँ को गालियाँ देना है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आज की बैठक में पार्टी आलाकमान जो भी मार्गदर्शन और सुझाव देगा, हम उसे जमीनी स्तर पर लागू करेंगे ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

राज्यपाल का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

बंगाल, तेलंगाना, हिमाचल की सुप्रीम कोर्ट में दलील; राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़ा मामला

चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

एजेंसी

नई दिल्ली, विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन बुधवार को सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया।राज्यों ने कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है। वे केवल औपचारिक प्रमुख होते हैं। राज्यों ने कहा- केंद्र सरकार कोर्ट के डेडलाइन लागू करने के फैसले को चुनौती देकर संविधान की मूल भावना को कमजोर करना चाहती है। तो उन्हें उस पर हस्ताक्षर करना ही होगा। सिब्बल ने तर्क दिया कि संविधान की धारा-200 में गवर्नर के लिए संतोष (सैटिस्फैक्शन) जैसी कोई शर्त नहीं है।₹उन्होंने कहा, ₹या तो वे बिल पर हस्ताक्षर करें, या उसे राष्ट्रपति को भेज दें। लगातार रोके रखना संविधान की भावना के खिलाफ है। अगर गवर्नर मनमर्जी से बिल अटका दें तो यह लोकतंत्र को असंभव बना देगा। हिमाचल प्रदेशः गवर्नरों का कानून बनाने में कोई रोल नहींहिमाचल सरकार के वकील आनंद शर्मा ने कहा, ₹संघीय ढांचा (फेडरलिज्म) भारत की ताकत है और यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। अगर गवर्नर बिल रोकेंगे तो इससे केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बढ़ेगा और यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा। गवर्नर का ऑफिस जनता की इच्छा को नकारने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

पश्चिम बंगालः जनता की इच्छा को रोका नहीं जा सकता

पश्चिम बंगाल के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, ₹अगर विधानसभा से पास बिल गवर्नर को भेजा जाता है,

कर्नाटक- राज्य में डायार्की नहीं हो सकती

कर्नाटक सरकार के वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य में दोहरी सरकार (डायार्की) की व्यवस्था नहीं हो सकती। गवर्नर को हमेशा मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही काम करना होगा।उन्होंने कहा कि संविधान गवर्नर को सिर्फ दो स्थितियों में ही विवेकाधिकार देता है।

'मदनी बेकार आदमी', ऐसा क्यों बोले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा

डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी को अप्रासंगिक बताते हुए कहा कि मदनियों का पीछा करना उनका काम नहीं है.

एजेंसी

गुवाहाटीः असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसीडेंट महमूद मदनी पर जबरदस्त टिप्पणी करते हुए कहाकि वो बेकार इंसान हैं. डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को एक बार फिर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी पर जोरदार निशाना साधा. सरमा ने उन्हें अप्रासंगिक बताते हुए कहा कि मदनियों का पीछा करना उनका काम नहीं है.सरमा ने कहा, क्या मदनी का पीछा करते रहना हमारा काम है? कई मदनी आएंगे, कई जाएंगे. अगर उन्होंने कोई भड़काऊ टिप्पणी की, तो हम उन्हें सलाखों के पीछे डाल देंगे. लेकिन, क्या मैं अपने बच्चों का ध्यान रखूं या मदनी पर नजर रखूं? मैं एक 'फालतू मनुष्य' (बेकार इंसान) के पीछे अपना समय क्यों बर्बाद करूं?गौर करें तो मुख्यमंत्री सरमा महिला उद्यमिता अभियान के चेक वितरण कार्यक्रम में भाग लेने आए थे. इसी के बाद मुख्यमंत्री अजारा के काहिकुची में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे. उनकी यह तीखी टिप्पणी महमूद मदनी के हालिया बयानों पर एक पत्रकार के सवाल के जवाब में आई.असम में सीएए के तहत केवल 3 को ही नागरिकताः इसी बातचीत में, सरमा ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर भी टिप्पणी की.

किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार नहीं करेंगे :जयशंकर

आज की दुनिया में जहां महाशक्तियाँ अपने-अपने खेमों में बंटी हुई हैं, वहाँ भारत का यह संतुलित रुख ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आने वाले समय में यही नीति भारत को विश्व राजनीति में और मजबूत स्थान दिलाएगी।

एजेंसी

अमेरिका-यूरोप के दबाव के बीच भारत ने निकाला बीच का रास्ता'

अमेरिका और यूरोप का दबाव बढ़ रहा है कि भारत रूस से दूरी बनाए और यूक्रेन संघर्ष पर पश्चिमी रुख का समर्थन करे। दूसरी ओर, रूस भारत का दशकों पुराना मित्र और ऊर्जा साझेदार है, जिससे भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। ऐसे में भारत के सामने एक कठिन संतुलन साधने की चुनौती है। देखा जाये तो भारत की विदेश नीति की असली ताकत यह है कि वह सीधे टकराव से बचते हुए अपने हितों की रक्षा करता है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर बार-बार इस बात

पर जोर देते हैं कि भारत किसी भी संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और संवाद व कूटनीति ही समाधान का रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी भी राष्ट्रपति पुतिन से लेकर पश्चिमी नेताओं तक, सबको यही संदेश देते आए हैं कि युद्ध का समय नहीं है। देखा जाये तो भारत का यह संतुलन दोहरी कूटनीति नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता है। यही बीच का रास्ता भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाता है बल्कि उसे एक संभावित वैश्विक मध्यस्थ के रूप में भी स्थापित करता है।आज की दुनिया में जहां महाशक्तियाँ अपने-अपने खेमों में बंटी हुई हैं, वहाँ भारत का यह संतुलित रुख ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आने वाले समय में यही नीति भारत को विश्व राजनीति में और मजबूत स्थान दिलाएगी। इसी बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी विदेश नीति में किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार करने वाला देश नहीं है। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका टैरिफ की राजनीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला रहा है और चीन के साथ संबंधों को लेकर भारत एक नये संतुलन की तलाश में है। जयशंकर ने साफ कहा कि आज की दुनिया व्यापक और गहरे बदलावों से गुजर रही है, और इन बदलावों के बीच भारत अपनी नीति स्वतंत्र रूप से तय करेगा।